दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, बुधवार 18 नवम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 152 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



नई दिल्ली : दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने नई दिल्ली स्थित दिल्ली सचिवालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

सुविचार

समय की रेत पर कदमों के निशान बैठकर नहीं बनाये जा सकते।
– कहावत

स्वच्छ सर्वेक्षण से मध्यप्रदेश अब बन गया है स्वच्छ प्रदेश : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

उज्जैन के सभी 3000 स्वच्छता मित्रों को पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे 5-5 हजार रूपए

औद्योगिक पार्क बनने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे : मुख्यमंत्री



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि नीमच-मंदसौर जिले के गांधीसागर में हाइड्रो पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट के शुभारंभ से मध्यप्रदेश को बड़ी उपलब्धि मिलने वाली है। यह पूरे एशिया महाद्वीप में अपनी तरह की पहली और सबसे बड़ी परियोजना है। इससे गांधीसागर बांध में वर्तमान में बन रही बिजली से बीस गुना अधिक विद्युत उत्पादन होगा। इस परियोजना से 2,000 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। लगभग 12 हजार करोड़ रुपए के निवेश से तैयार हुई इस पम्प हाइड्रो स्टोरेज परियोजना से हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदसौर-नीमच क्षेत्र को एक इंडस्ट्रियल पार्क की बड़ी सौगात भी मिलने जा रही है। राज्य सरकार बुधवार को गांधीसागर में डेस्टिनेशन कैबिनेट करने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मंगलवार को नीमच जिले के मनासा में 272 करोड़ रुपए की लागत के 111 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण कर नीमच जिलेवासियों को दीपावली की सौगात दी। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने प्रदेशवासियों को गोपाष्टमी की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के पश्चिमी क्षेत्र में मंदसौर और नीमच जिले के गांधीसागर में निर्मित अद्भुत पम्प स्टोरेज परियोजना से डिमांड अधिक होने पर बिजली जल्दी बनेगी। इससे क्षेत्र के उद्योग,व्यापार-व्यवसाय,खेती और अन्य आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त मात्रा में बिजली मिलेगी और इसका मूल्य भी बहुत कम होगा। पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट की खास बात यह है कि इसमें दो बड़े वॉटर टैंक तैयार किए गए हैं, जिनमें एक ऊपर और दूसरा थोड़ा नीचे स्थित है। इन दोनों वॉटर टैंक के बीच पानी के ऊपर-नीचे जाने से बिजली उत्पन्न होगी। जब बिजली की मांग अधिक होती है, यानी पीक आवर्स के दौरान, तब ऊपर के टैंक में जमा पानी को तेजी से नीचे लाकर टरबाइन के जरिए बिजली बनाई जाएगी।

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि धार्मिक नगरी उज्जैन ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों की श्रेणी में देश में प्रथम स्थान पाया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में देश के कुल 27 पुरस्कारों में से मध्यप्रदेश के 9 शहरों को अलग-अलग श्रेणी में पुरस्कार मिले। यह उपलब्धि उन कर्मयोगियों की मेहनत का प्रतिफल है, जो हर दिन बिना किसी अपेक्षा के शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में जुटे रहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रदेश होने के साथ अब स्वच्छ प्रदेश भी बन गया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से ही लक्ष्मी (समृद्धि) आती है। सफाई मित्र केवल सफाई ही नहीं करते, वे शहर की सेहत,सौन्दर्य, आकर्षण और सम्मान की भी रक्षा करते हैं। इस मायने में सफाई वीर ही स्वच्छता के सच्चे प्रहरी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को उज्जैन के गीता भवन में स्वच्छता मित्रों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने उज्जैन को मिली इस उपलब्धि के लिए नगर के सभी सफाई मित्रों, नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई दी और नगर के सभी 54 वार्डों के 3 हजार स्वच्छता मित्रों को पुरस्कार स्वरूप 5-5 हजार रूपए की नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने उज्जैन नगर के सफाई मित्रों को मंच से सम्मानित कर उन्हें इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से देश में स्वच्छता के लिए बड़े अभियान का श्रीगणेश किया। स्वच्छ सर्वेक्षण में मध्यप्रदेश, देश के सबसे स्वच्छ राज्यों में सबसे आगे है। यहां का मालवांचल लगातार स्वच्छ शहरों की सूची में अग्रणी बना हुआ है। इंदौर के साथ अब देपालपुर ने भी स्वच्छता सर्वेक्षण में झंडे गाढ़े हैं। यह शहर पुराने सर्वे में 1700वें स्थान पर था, लेकिन अब देपालपुर नंबर-1 बना है। उज्जैन और देवास को भी अलग-अलग श्रेणियों में स्वच्छता पुरस्कार मिले हैं। चंबल में ग्वालियर,महाकौशल में जबलपुर, विंध्य में रीवा और मध्य क्षेत्र में बुधनी नगर ने भी स्वच्छ सर्वेक्षण में नया मुकाम हासिल किया है।

पॉक्सो मामले में दोषियों को प्राकृतिक मृत्यु तक कारावास की सजा

कोकराझाड़। नाबालिग बच्चियों के साथ दुष्कर्म के दो अलग-अलग मामलों में कोकराझाड़ की विशेष अदालत ने मंगलवार को महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए दोनों दोषियों को प्राकृतिक मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश नूरजमाल हक की अदालत ने खगेन मुसाहारी (45) और ऐनाल शेख (61) को दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई। पहला मामला गोसाईगांव थाना क्षेत्र का है। आरोप के मुताबिक,खगेन मुसाहारी ने खेल रही पांच वर्षीय बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। बाद में बच्ची की तबीयत खराब होने पर परिजनों द्वारा पूछताछ किए जाने पर उसने पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद पीड़ित बच्ची के परिजनों ने गोसाईगांव थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस संबंध में गोसाईगांव थाना कांड संख्या 74/26 दर्ज किया गया था। भारतीय न्याय संहिता की धारा 65 तथा पॉक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई थी। इस मामले में विशेष अदालत ने खगेन मुसाहारी को प्राकृतिक मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

एक्ट ईस्ट पॉलिसी से भारत-आसियान संबंधों को मिली नई मजबूती : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

पीएम मोदी ने फिलीपींस में 23वें आसियान शिखर सम्मेलन को किया संबोधित



मनीला,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने भारत और आसियान देशों के बीच मजबूत होते संबंधों, क्षेत्रीय सहयोग और साझा विकास की संभावनाओं पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी ने पिछले वर्षों में आसियान के साथ संबंधों को नई गति और गहराई दी है। अब यह साझेदारी साझा संस्कृति और विरासत से आगे बढ़कर डिजिटल,रक्षा और अंतरिक्ष जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक पहुंच गई है। प्रधानमंत्री ने आसियान की सफल अध्यक्षता और भारत के देश समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस को बधाई और धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आसियान नेताओं के साथ यह उनका 13वां संवाद है। इस दौरान उन्होंने कहा एक्ट ईस्ट पॉलिसी से भारत-आसियान संबंधों को नई मजबूती मिली है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और आसियान की साझेदारी लगातार व्यापक हो रही है। पिछले वर्षों में दोनों पक्षों ने पारंपरिक संबंधों को नई तकनीक और रणनीतिक क्षेत्रों से जोड़ा है। डिजिटल, डिफेंस और स्पेस जैसे सेक्टर में सहयोग के नए अवसर सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने आसियान के साथ अपनी साझेदारी को नई गति दी है। प्रधानमंत्री ने भारत और आसियान देशों के बीच जनसंपर्क को मजबूत करने के प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि 2014 से अब तक लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए 100 से अधिक पहल की गई हैं। इसके अलावा लगभग 250 त्वरित प्रभाव परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है और 10 हजार से अधिक क्षमता निर्माण छात्रवृत्तियां दी गई हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और आसियान देशों के बीच सीधी उड़ानों की संख्या में बढ़ोतरी और पर्यटन का विस्तार दोनों पक्षों की बढ़ती निकटता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और आसियान मिलकर दुनिया की लगभग एक चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में दोनों का भविष्य प्रतिस्पर्धा से नहीं, बल्कि सहयोग से तय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत और आसियान के पास क्षेत्र में शांति और स्थिरता का प्रतीक बनने की क्षमता और संकल्प दोनों हैं। उन्होंने कहा कि भारत का विकास और आसियान की समृद्धि एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। आने वाले समय में आसियान कम्युनिटी विजन 2025 और विकसित भारत 2047 दोनों पक्षों की साझा आकांक्षाओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत की आसियान की एकता और केंद्रीय भूमिका के प्रति प्रतिबद्धता अटल है। उन्होंने विश्वास जताया कि शिखर सम्मेलन भारत और आसियान की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाई देगा। प्रधानमंत्री के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच मजबूत सहयोग से एक सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के निर्माण में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत और आसियान मिलकर अपने क्षेत्र के भविष्य को नई दिशा दें।

इटली के नेता के बयान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल

भारत समिट 2026 को लेकर तेलंगाना सरकार से की माफी की मांग

नई दिल्ली,(एजेंसी)। हैदराबाद में कांग्रेस की ओर से आयोजित भारत समिट-2026 में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधि के भारतीय राजनीति में कथित हस्तक्षेप को लेकर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। जाहिद अली की ओर से अनुच्छेद 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर की गई है। याचिका में इटली के नेता और यूरोपियन सोशलिस्ट पार्टी के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक के बयानों और वोट चोर, गद्दी छोड़ नारे पर सवाल उठाए गए हैं। इसके साथ याचिका में केंद्र सरकार,गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय,तेलंगाना सरकार और भारत समिट के आयोजक समेत कुल 9 पक्षकार बनाए गए हैं। याचिका में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों के भारत की घरेलू राजनीति में भाग लेने पर रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। इसके साथ ही तेलंगाना सरकार से सार्वजनिक माफी मांगने और भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए हलफनामा देने की मांग की गई है। जाहिद अली ने याचिका में भारत समिट के आयोजन, विदेशी प्रतिनिधियों को दी गई अनुमति और वीजा शर्तों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी गठित करने और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से संबंधित वीडियो हटाने और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड सुरक्षित रखने की भी मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से इस याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की है। दरअसल, 14 नवंबर को हैदराबाद में आयोजित भारत समिट 2026 में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के साथ जियाकोमो फिलिबेक ने मंच साझा किया था। अपने संबोधन के दौरान,फिलिबेक ने दावा किया कि भारतीय लोकतंत्र हमले की चपेट में है और उसे हाईजैक किया जा रहा है।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने परिवार संग किए श्रीकृष्ण जन्मस्थान के दर्शन

मथुरा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को परिवार के साथ भगवान श्री कृष्ण की पावन जन्मभूमि श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचकर ठाकुर जी के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की। इससे पहले सोमवार को उन्होंने वृंदावन में ठाकुर बांकेबिहारी जी के दर्शन किए थे। पूर्व राष्ट्रपति ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान में वैदिक मंत्रोच्चार व विधि-विधान से पूजन कर भगवान श्री कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उनका पूरा परिवार भी साथ था। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद, उनकी पत्नी सविता कोविंद व पुत्री स्वाति कोविंद के श्री कृष्ण जन्मस्थान आगमन को लेकर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। उनके आगमन पर निर्धारित वीआईपी प्रोटोकॉल के तहत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित की गईं। ब्रजभूमि की धार्मिक और आध्यात्मिक महत्ता के बीच पूर्व राष्ट्रपति का यह दौरा क्षेत्र में विशेष चर्चा और श्रद्धा का केंद्र बना रहा।

भारत की आर्थिक वृद्धि के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार पैदा होने चाहिए : गडकरी



केंद्रीय मंत्री गडकरी ने सूक्ष्म उद्यमियों को जेआरडी टाटा पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित जेआरडी टाटा पुरस्कार 2026 समारोह में रोजगार सृजन और उद्यमिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले सूक्ष्म उद्यमियों को सम्मानित किया। इस वर्ष 14 उद्यमियों को पुरस्कार के लिए चुना गया था,इनमें पांच महिलाएं थीं। समारोह में उद्यमिता के क्षेत्र में काम करने वाले चार उद्यमियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। भारतीय युवा शक्ति ट्रस्ट (बीवाईएसटी) की ओर से आयोजित इस समारोह में आंध्र प्रदेश से राज्यसभा सदस्य विजय चिंताकायाला और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष प्रो. एस. महेंद्र देव विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। बीवाईएसटी के अनुसार, जेआरडी टाटा पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1995 में ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष भारत रत्न जेआरडी टाटा के सम्मान में की गई थी। इसका उद्देश्य ऐसे पहली पीढ़ी के उद्यमियों को पहचान देना है, जिन्होंने कारोबार खड़ा करने के साथ रोजगार के अवसर पैदा किए और स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान दिया। समारोह का विषय ग्राम उद्यमियों का सम्मान,भारत का विकास रखा गया था। पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिए गए। इनमें वर्ष का सर्वश्रेष्ठ उद्यमी,वर्ष की महिला उद्यमी और सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाला उद्यमी शामिल हैं। गडकरी ने कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि के साथ ग्रामीण,आदिवासी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी पैदा होने चाहिए। प्रौद्योगिकी, नवाचार और वित्तीय सहायता के माध्यम से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को मजबूत करने से उत्पादन बढ़ाने, कचरे को उपयोगी संसाधन में बदलने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में मदद मिल सकती है। इससे क्षेत्रीय आय की असमानता कम करने में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि अनुभवी मार्गदर्शकों के सहयोग से तैयार हुए ये उद्यम आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान दे सकते हैं। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष प्रो. एस. महेंद्र देव ने कहा कि सूक्ष्म और लघु उद्यम समावेशी आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पहली पीढ़ी के उद्यमियों को वित्त, प्रौद्योगिकी, बाजार और मार्गदर्शन की सुविधा मिलने से वे अपने कारोबार का विस्तार कर सकते हैं और स्थायी आजीविका के अवसर पैदा कर सकते हैं। बीवाईएसटी की संस्थापक एवं प्रबंध न्यासी लक्ष्मी वेंकटरमण वेंकटेशन ने कहा कि छोटे उद्यमी सीमित पूंजी से कारोबार खड़ा कर रहे हैं और अपने समुदायों में रोजगार पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केवल ऋण उपलब्ध कराना पर्याप्त नहीं है।

गांधी परिवार को ही देश मानती रही कांग्रेस पार्टी : संजय सरावगी

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की किताब के विमोचन के बाद भाजपा और शिवसेना नेताओं ने पुस्तक की विषयवस्तु, प्रकाशक और उसमें किए गए उल्लेखों पर सवाल उठाए। पटना में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने पुस्तक में लिखी बातों की सत्यता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि किताब में कितनी बातें सच हैं। सोनिया गांधी को 1984 में दिल्ली और अन्य स्थानों पर सिख समुदाय के लोगों के नरसंहार का उल्लेख करना चाहिए था। उन्होंने इस घटना के लिए कांग्रेसियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि पुस्तक में इस विषय पर चर्चा होनी चाहिए थी। बाबरी ढांचे को गिराए जाने पर सोनिया गांधी की प्रतिक्रिया का जिक्र करते हुए उन्होंने पूछा कि सिखों के साथ हुई हिंसा के बारे में पुस्तक में क्या लिखा गया है। रांची में भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि पुस्तक का नाम बिलॉन्गिंग-सोनिया गांधी जी की एकतरफा कहानी होना चाहिए, क्योंकि इसमें केवल सोनिया गांधी का पक्ष रखा गया है।

उत्तराखंड में पांच सड़क दुर्घटनाओं में 17 लोगों की मौत, 38 घायल



देहरादून,(एजेंसी)। उत्तराखंड में सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक हुए पांच अलग-अलग सड़क हादसों में कुल 17 लोगों की मौत हो गई, जबकि 38 लोग घायल हो गए। सबसे भीषण हादसा टिहरी गढ़वाल जिले में ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर गूलर पुल के पास हुआ,जहां यात्रियों से भरी बस करीब 120 फीट गहरी खाई में जा गिरी। इस दुर्घटना में बस चालक समेत नौ लोगों की जान चली गई और 25 यात्री घायल हो गए। इसके आलावा रुद्रप्रयाग के ऊखीमठ में एक बोलेरो वाहन के खाई में गिरने से चार लोगों की मौत हो गई,जबकि टिहरी जिले में तीन अन्य सड़क दुर्घटनाओं में चार लोगों की जान चली गई। हादसों की सूचना मिलते ही पुलिस और आपदा राहत दलों ने विभिन्न स्थानों पर बचाव अभियान चलाया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को एम्स ऋषिकेश पहुंचकर गूलर बस हादसे में घायल यात्रियों का हालचाल जाना और उनके उपचार की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य सरकार दुर्घटना से प्रभावित लोगों और उनके परिजनों के साथ खड़ी है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये,गंभीर रूप से घायलों को एक-एक लाख रुपये और सामान्य रूप से घायलों को 40 हजार रुपये तक की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। साथ ही प्रधानमंत्री राहत योजना के अंतर्गत सहायता राशि शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। गूलर पुल के पास बस हादसा पुलिस के अनुसार, विश्वनाथ सेवा की बस मंगलवार तड़के करीब 3:15 बजे हरिद्वार से जोशीमठ के लिए रवाना हुई थी। बस में चालक समेत 34 लोग सवार थे। सुबह करीब 4:50 बजे गूलर पुल के पास बस अनियंत्रित होकर सड़क से लगभग 120 फीट नीचे गूलर गाड़ में जा गिरी। सूचना मिलते ही मुनिकीरेती और नरेंद्रनगर पुलिस,अग्निशमन विभाग,आपदा राहत दल और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं। शिवपुरी स्थित भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के जवानों ने भी बचाव अभियान में सहयोग किया। सभी घायलों को करीब एक घंटे के भीतर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। प्रशासन ने यात्रियों के सामान को सुरक्षित रखने के लिए गूलर पुलिस चौकी में रखवाया है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। गूलर बस हादसे में 25 घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। गूलर बस दुर्घटना में मृतकों की पहचान विक्की (37),राज राय (56), बस चालक राजेंद्र सिंह (48), परिचालक अनुज भंडारी (27), पुन्नू (55), सुशील प्रताप सिलोडी (55), दीपक गुप्ता (55), विकास गुप्ता और रोहित कश्यप (35) के रूप में हुई है। इनमें उत्तर प्रदेश,पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश के निवासी शामिल हैं। वहीं ऊखीमठ में बोलेरो खाई में गिरने से चार लोगों की मौत हो गई,रुद्रप्रयाग जिले के ऊखीमठ क्षेत्र में सोमवार रात करीब 9.15 बजे कण्डारा मोटर मार्ग पर हनुमान मंदिर के समीप बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। वाहन में कुल 10 लोग सवार थे। हादसे में कुंवर सिंह (60),मदन सिंह (40), सूरज सिंह (42) और बलवीर सिंह (70) की मौके पर ही मौत हो गई,जबकि छह लोग घायल हो गए। घायलों में आठ वर्षीय बच्ची वंशिका भी शामिल है। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि पहुंचाया गया,जहां से चार को बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है।

लुधियाना में श्रद्धालुओं से भरा टेंपो खड़े टिप्पर से टकराया,3 की मौत

लुधियाना। लुधियाना के माछीवाड़ा में देर रात श्रद्धालुओं से भरा एक टेंपो दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई और 27 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक श्रद्धालुओं से भरा यह टेंपो नैना देवी से माछीवाड़ा आ रहा था। इसी दौरान माछीवाड़ा के नजदीक सड़क पर खड़े एक टिप्पर से टकरा गया। इस दुर्घटना में मरने वालों में एक महिला और 2 लड़के हैं। वहीं घायलों को उपचार के लिए माछीवाड़ा के अस्पताल में दाखिल किया गया है। टेंपो में सवार लोगों का कहना है कि ड्राइवर लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। कीरतपुर के पास भी एक्सीडेंट होते-होते बचा। टेंपो में सवार कुछ लोगों ने कह दिया था कि गाड़ी हम चलाते हैं, लेकिन वह नहीं माना। एक्सीडेंट के बाद टेंपो का ड्राइवर मौके से फरार है। मरने वाले और घायल लोग सभी मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। माछीवाड़ा थाने के एसएचओ चरणजीत सिंह ने बताया है कि जब देर रात उन्हें हादसे की सूचना मिली तो वह मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि लोगों को इमरजेंसी में प्राइवेट वाहनों में अस्पताल पहुंचा गया था।

किसानों की सेवा करना सभी की साझा जिम्मेदारी है : शिवराज सिंह चौहान

पंजाब के कृषि क्षेत्र को केंद्र सरकार ने दिया 352.64 करोड़ रुपये का पैकेज



मोहाली, (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब के कृषि क्षेत्र के विकास के लिए 352.64 करोड़ रुपये के वित्तीय पैकेज की घोषणा की है। इसमें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत 254.20 करोड़ रुपये और 98.44 करोड़ रुपये की सात नई परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। मोहाली जिले के गांव बड़ापुर में आयोजित खेत बचाओ अभियान कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां को स्वीकृति पत्र सौंपा। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर केंद्र और राज्य सरकारों को किसानों के कल्याण के लिए मिलकर काम करना चाहिए। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकारें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन किसानों की सेवा करना सभी की साझा जिम्मेदारी है। स्वीकृत राशि से कृषि उत्पादन बढ़ाने, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और प्रदेश के कृषि विकास को गति देने में मदद मिलेगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने खाद की कालाबाजारी और किसानों को जबरन अन्य उत्पाद बेचने के मामलों पर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि खाद की कालाबाजारी करने और अनधिकृत रूप से दूसरे उत्पादों की खरीद के लिए मजबूर करने वाले विक्रेताओं को जेल भेजा जाएगा।उन्होंने कहा कि सरकार महंगी दरों पर खाद आयात करके किसानों को भारी अनुदान पर उपलब्ध कराती है। ऐसे में किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि नकली बीज, घटिया कीटनाशकों और फर्जी खाद की बिक्री रोकने के लिए केंद्र सरकार नया सख्त कानून लाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए देशभर के किसानों और कृषि विशेषज्ञों से सुझाव लिए जा रहे हैं। शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि रासायनिक खाद पर निर्भरता कम करने के लिए देशभर में 10 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में हरित अमोनिया का परीक्षण शुरू किया गया है। उन्होंने अपने दौरे के दौरान इस तकनीक का प्रत्यक्ष प्रदर्शन भी देखा। उन्होंने किसानों से अपील की कि यूरिया और डीएपी का अत्यधिक इस्तेमाल करने के बजाय मिट्टी की जांच करवाकर जरूरत के अनुसार ही खाद का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अवैज्ञानिक इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने पंजाब के किसानों को गेहूं और धान के पारंपरिक फसल चक्र से बाहर निकलकर कृषि विविधीकरण अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि छोटे और सीमांत किसान खेती के साथ बागवानी, डेयरी, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, बकरी पालन, मशरूम उत्पादन और मधुमक्खी पालन जैसे व्यवसाय अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

गांधी सागर की कैबिनेट बैठक से मंदसौर को विकास की बड़ी उम्मीदें

कांग्रेस जिलाध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर ने मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं, कृषि आधारित उद्योग और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग रखी

मंदसौर। गांधी सागर में आज 18 नवंबर को होने जा रही मध्यप्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक से मंदसौर जिले को विकास की नई सौगात मिलने की उम्मीद के बीच जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर ने प्रदेश सरकार के समक्ष जिले की प्रमुख जरूरतों को प्राथमिकता से पूरा करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल की इस महत्वपूर्ण बैठक में स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, पर्यटन और रोजगार से जुड़े विषयों पर बजट सहित ठोस निर्णय लिए जाने चाहिए। गुर्जर ने कहा कि मंदसौर कृषि प्रधान जिला है और यहां विकास की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। गांधी सागर में कैबिनेट बैठक का आयोजन जिले की वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान और नई विकास योजनाओं को गति देने का अवसर है। सरकार को इस अवसर का उपयोग जिले के समग्र विकास के लिए करना चाहिए। मेडिकल कॉलेज में बढ़ें आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उन्होंने कहा कि जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित होने के बावजूद लोगों को अभी तक अपेक्षित स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। मेडिकल कॉलेज को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित किया जाए। यहां हृदय रोग, कैंसर, न्यूरोलॉजी और किडनी संबंधी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं की व्यवस्था हो। अत्याधुनिक जांच उपकरण और आधुनिक ऑपरेशन थिएटर भी उपलब्ध कराए जाएं। जिला चिकित्सालय और मेडिकल कॉलेज के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो, ताकि मरीजों को उपचार के लिए इंदौर, उदयपुर और अहमदाबाद जैसे शहरों का रुख नहीं करना पड़े। कृषि उत्पादों पर आधारित उद्योगों को मिले बढ़ावा गुर्जर ने कहा कि मंदसौर में लहसुन, सोयाबीन, धनिया और अफीम सहित कई कृषि उत्पादों का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। इन उत्पादों के प्रसंस्करण, पैकेजिंग, भंडारण और विपणन के लिए जिले में उद्योग स्थापित किए जाने चाहिए। कृषि आधारित औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन मिलने से किसानों को उपज का बेहतर मूल्य मिल सकेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर हों विकसित उन्होंने कहा कि रोजगार की तलाश में जिले के युवाओं को दूसरे शहरों और प्रदेशों में जाना पड़ता है। इस स्थिति को बदलने के लिए नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएं तथा लघु, मध्यम और बड़े उद्योगों में निवेश को प्रोत्साहित किया जाए। कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण और स्वरोजगार योजनाओं को स्थानीय जरूरतों से जोड़कर युवाओं के लिए रोजगार के स्थायी अवसर तैयार किए जाएं। गांधी सागर पर्यटन विकास के लिए बने विशेष योजना गुर्जर ने गांधी सागर क्षेत्र को प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए विशेष बजट और कार्ययोजना बनाने की मांग की। इसके साथ ही किसानों के हित में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, कृषि उपज के उचित मूल्य, भंडारण और विपणन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों, आधुनिक उपकरणों और पर्याप्त स्वास्थ्य कर्मचारियों की नियुक्ति, सड़क, पेयजल, शिक्षा सहित बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए भी आवश्यक बजट स्वीकृत करने की मांग रखी। गुर्जर ने कहा कि मंदसौर जिले के किसान, युवा, व्यापारी और आम नागरिक बेहतर सुविधाओं तथा विकास की अपेक्षा रखते हैं। गांधी सागर की ऐतिहासिक धरती पर होने वाली कैबिनेट बैठक में ऐसी योजनाओं को मंजूरी मिलनी चाहिए, जिनका लाभ सीधे आमजन तक पहुंचे। जिले का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं, किसानों की समृद्धि, उद्योगों की स्थापना और युवाओं के रोजगार को प्राथमिकता देते हुए घोषणाओं के बजाय धरातल पर काम किया जाए।

सत्यनिष्ठा और उत्कृष्टता का सम्मान

सतर्कता एवं स्वच्छता अभियानों का पुरस्कार वितरण समारोह



खरगोन। जिले के ग्राम सेल्दा में NTPC द्वारा सतर्कता जागरूकता अभियान एवं स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के संयुक्त समापन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दोनों अभियानों के सफल समापन के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियों में प्रतिभागियों के योगदान और उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान दोनों अभियानों के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतिभागियों के उत्साह, रचनात्मकता और उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता, जवाबदेही, स्वच्छता एवं सामूहिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित किया गया। विशेष रूप से, स्टेशन परिसर में स्वच्छता एवं साफ-सफाई बनाए रखने में उनके समर्पित प्रयासों और अमूल्य योगदान के लिए सफाई मित्रों को भी सम्मानित किया गया। यह सम्मान स्वच्छ, स्वस्थ एवं टिकाऊ कार्यस्थल के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति आभार व्यक्त करने का एक सराहनीय प्रयास रहा। समापन समारोह ने दोनों अभियानों में कर्मचारियों, उनके परिवारों एवं कार्यबल की सक्रिय भागीदारी और सामूहिक प्रयासों को सराहा तथा उनके योगदान को रेखांकित किया। यह आयोजन सत्यनिष्ठा, सतर्कता, स्वच्छता और सामुदायिक सहभागिता के प्रति NTPC खरगोन की प्रतिबद्धता को पुनः सुदृढ़ करने का एक सार्थक अवसर बना। साथ ही, इसने सभी को इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

जनसुनवाई में मिले 83 आवेदन, अधिकारियों को निराकरण के निर्देश

मंदसौर। कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में मंगलवार को जिला स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गई। इसमें विभिन्न समस्याओं और मांगों से संबंधित 83 आवेदन प्राप्त हुए। संयुक्त कलेक्टर प्रीति संघवी एवं डिप्टी कलेक्टर रोहित राणावत ने आवेदकों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवेदनों की जांच कर उचित निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्राम पालड़ी निवासी कमलेश ने साफ-सफाई करवाने की मांग को लेकर आवेदन दिया। इस पर सीईओ जनपद पंचायत मंदसौर को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार भुखी निवासी चुन्नीलाल ने कुआं बंद करवाने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर सीईओ जनपद पंचायत मंदसौर को जांच कर उचित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। वहीं, अरनियागुर्जर निवासी भंवर सिंह ने बीपीएल राशन कार्ड का लाभ दिलाने की मांग की। इस पर तहसीलदार धुंधड़का को जांच कर कार्रवाई करने के लिए कहा गया। जनसुनवाई में बीपीएल कार्ड बनवाने, संबल योजना का लाभ दिलाने, बीमा राशि का भुगतान करवाने, किसान सम्मान निधि की राशि दिलाने, सीमांकन करवाने तथा स्वामित्व योजना का लाभ दिलाने से संबंधित आवेदन भी प्राप्त हुए। इस दौरान जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।



कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

हरदा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित 'जनसुनवाई' कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार एवं श्रीमती अनुपमा चौहान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरोत्तम भार्गव, एसडीएम खिरकिया सुश्री रजनी वर्मा, एसडीएम हरदा श्री शैलेन्द्र बड़ोनिया सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में ग्राम कचबैड़ी निवासी मोहनलाल ने अपनी कृषि भूमि पर अवैध कब्जे के संबंध में शिकायत की, जिस पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हरदा को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम कायागांव निवासी दीपक ने नक्शा दुरूस्त कराने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर तहसीलदार हंडिया को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम टेमागांव निवासी मालतीबाई ने जमीन का पट्टा प्राप्त न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर तहसीलदार टिमरनी को आवेदिका की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। जनसुनवाई में ग्राम गोंदागांवकला निवासी ओमप्रकाश शर्मा ने ड्रोन सर्वे में छूटे हुए मकान का पट्टा बनवाने तथा ई-स्वामित्व रजिस्ट्री कराने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर तहसीलदार टिमरनी को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम पिपल्या निवासी समोताबाई ने गत 4 माह से वृद्धावस्था पेंशन की राशि प्राप्त न होने के संबंध में शिकायत की, जिस पर उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग को समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये।



न्यायोत्सव - विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत ऑक्सफोर्ड स्कूल एवं श्री सत्य साई विश्वविद्यालय में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सीहोर। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री संजीव कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में 14 से 20 नवम्बर 2026 तक न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत ऑक्सफोर्ड स्कूल सीहोर में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अनुराग सिंह कुशवाह एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री फारूक अहमद सिद्दीकी , थाना कोतवाली से उप निरीक्षक श्री विवेक आर्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला न्यायाधीश / सचिव श्री अनुराग सिंह



कुशवाह द्वारा विद्यार्थियों को विधिक सेवाओं, निःशुल्क विधिक सहायता, नागरिकों के कानूनी अधिकारों एवं कर्तव्यों तथा विधिक जागरूकता के महत्व के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी होना आवश्यक है तथा समाज में न्याय, समानता एवं विधिक जागरूकता को बढ़ावा देने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री फारूक अहमद सिद्दीकी द्वारा बताया गया कि, निःशुल्क विधिक सहायता / सलाह, सायबर क्राइम, पॉक्सो अधिनियम, सालसाएवं नालसा की योजनाओं की जानकारी, शासन द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी आदि विस्तार से दी गई। उप निरीक्षक थाना कोतवाली श्री विवेक आर्य द्वारा पुलिस की कार्यप्रणाली, सड़क सुरक्षा, यातायात नियम एवं मोटरयान अधिनियम के प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर ऑक्सफोर्ड विद्यालय में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। स्कूल न्यायोत्सव - विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ब्लू बर्ड स्कूल, आईईएस स्कूल, पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय, ऑक्सफोर्ड स्कूल एवं शासकीय मॉडल में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इनमें निबंध प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताएं हुई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक इन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विधिक जागरूकता से संबंधित विषयों पर अपनी प्रतिभा एवं विचारों का प्रदर्शन किया।

पीडीटीसी अब पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेनिंग एंड एक्सीलेंस सेंटर (PDTEC) के नाम से जाना जाएगा

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों पर रहेगा विशेष जोर

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। तकनीकी विकास, नवाचार एवं अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में पावर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेनिंग सेंटर का नाम परिवर्तित कर अब पावर डिस्ट्रीब्यूशन ट्रेनिंग एंड एक्सीलेंस सेंट कर दिया गया है। संस्थान की विस्तारित कार्ययोजना एवं भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया गया है। नए नाम के साथ संस्थान द्वारा अनुसंधान एवं विकास आधुनिक तकनीकों के विकास, नवाचार तथा तकनीकी समाधानों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। संस्थान द्वारा पूर्व से संचालित परियोजनाएं, समझौते एवं प्रशासनिक दायित्व पूर्ववत जारी रहेंगे। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) एवं निदेशक (PDTEC) डॉ. राकेश शर्मा ने कहा कि पीडीटीसी से पीडीटीईसी बनने का यह बदलाव संस्थान की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। इससे अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी तथा तकनीकी नवाचार और आधुनिक कार्यप्रणाली को बढ़ावा मिलेगा। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी का यह ट्रेनिंग सेंटर न केवल मध्य प्रदेश बल्कि पूरे सेंट्रल इंडिया (मध्य भारत) का सबसे बड़ा और अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र है। इस ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में विद्युत वितरण क्षेत्र से जुड़े इंजीनियर्स को उच्च स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण के साथ-साथ गैर-तकनीकी श्रेणी के कार्मिकों को भी व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। पीडीटीईसी एवं मैनिट भोपाल के बीच तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एमओयू निष्पादित कार्मिकों को प्रशिक्षण, शोध एवं तकनीकी नवाचार की मिलेगी नई दिशा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा तकनीकी शिक्षा, अनुसंधान एवं कौशल विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पीडीटीईसी एवं मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट), भोपाल के बीच मंगलवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत दोनों संस्थान प्रशिक्षण एवं कौशल विकास, अनुसंधान एवं विकास तथा तकनीकी सहयोग के क्षेत्रों में मिलकर कार्य करेंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने बताया है कि समझौते के अंतर्गत विद्यार्थियों एवं पेशेवरों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं एवं सेमिनार आयोजित किए जाएंगे। साथ ही नई तकनीकों के विकास और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए संयुक्त शोध परियोजनाओं पर कार्य किया जाएगा। दोनों संस्थान तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान, प्रयोगशाला सुविधाओं के उपयोग तथा विभिन्न तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए भी परस्पर सहयोग करेंगे। कार्यक्रम में मैनिट भोपाल की ओर से डॉ. अनुपमा शर्मा, डॉ. अमित भगत, डॉ. अमित ओझा एवं श्री नीरज तिवारी उपस्थित रहे। वहीं पीडीटीईसी की ओर से मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) एवं निदेशक (PDTEC) डॉ. राकेश शर्मा, डीजीएम (एचआर) श्रीमती निशा कुमार एवं डीजीएम (फाइनेंस) श्री संकल्प दिवाकर मौजूद रहे। इस अवसर पर दोनों संस्थानों के अधिकारियों ने कहा कि यह समझौता अकादमिक जगत एवं तकनीकी क्षेत्र के बीच समन्वय को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे कंपनी के अधिकारी, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, तकनीकी ज्ञान एवं अनुसंधान के नए अवसर प्राप्त होंगे तथा तकनीकी विकास को प्रोत्साहन मिलेगा।

सीनियर अंतर लेदर बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

खरगोन। इंदौर संभाग क्रिकेट डिवीजन के तहत आयोजित सीनियर अंतर जिला क्रिकेट दो दिवसीय स्पर्धा का उद्घाटन स्टेडियम पर एसपी रविन्द्र वर्मा के आतिथ्य में हुआ इस अवसर पर जिला क्रिकेट एसोसियन अध्यक्ष मनोज रघुवंशी,सचिव जितेंद्र गोस्वामी, एमपीसीए के सीडीसी मेंबर देवेंद्र परमार, ऑब्जर्बर अमोल गुप्ता, राजेश सोनी, संतोष पाटीदार, ओम रामनेकर, मुकेश रोकड़े सहित दोनों टीम के खिलाड़ी सहित खेल प्रेमी मौजूद थे। एसपी सर का स्वागत रघुवंशी ने किया एसपी ने वर्मा ने कहा कि खेल भावना से खेल को खेलना चाहिए क्रिकेट में यहां से कोई खिलाड़ी आईपीएल में खेलेगा तो मुझे खुशी होगी दोनों टीमों को एसपी ने बधाई देते हुए खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। यह स्पर्धा 16 नवंबर से 28 नवंबर तक यह खेली जाएगी जिसमें खंडवा, बुरहानपुर, झाबुआ, धार, बड़वानी, अलीराजपुर, ओर खरगोन जिले की टीम भाग ले रही हैं।

गोपाष्टमी पर सीताराम रामचंद्र गौशाला में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हरदा द्वारा किया गया गौ-माता का पूजन-अर्चन

हरदा। गोपाष्टमी के पावन पर्व पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी हरदा द्वारा सीताराम रामचंद्र गौशाला में गौमाता का पूजन एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन साईं, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद व्यास, गौशाला के सचिव रमेश सादानी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक डॉ. दोगने, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन साईं सहित उपस्थित कांग्रेसजनों ने विधि-विधान से गौमाता का पूजन-अर्चन कर उन्हें गौ-ग्रास एवं खिचड़ा खिलाया तथा गौसेवा कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान हरदा विधायक डॉ. दोगने द्वारा गौमाता के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी सेवा और संरक्षण का संकल्प लिया व कार्यक्रम में उपस्थित समस्त कांग्रेसजनों और क्षेत्रवासियों संकल्प दिलाया और कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता का विशेष स्थान है और उनकी सेवा करना पुण्य एवं मानवीय संवेदना का प्रतीक है।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ



क्लासीफाईड विज्ञापन दरें
150/- रूपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक
स्कीम
2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान
सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रूपये में पूरे एक माह चलायें

गांधीसागर में कैबिनेट बैठक से विकास और ऊर्जा परियोजना को मिलेगी नई पहचान

पम्प हाइड्रो स्टोरेज प्रोजेक्ट से पीक ऑवर्स में मिलेगी 1920 मेगावाट बिजली

मंदसौर।जिले के गांधीसागर बांध स्थल पर बुधवार, 18 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में राज्य मंत्रि-परिषद् की बैठक आयोजित हो रही है। प्रदेश सरकार की यह डेस्टिनेशन कैबिनेट बैठक गांधीसागर क्षेत्र के विकास, पर्यटन और ऊर्जा के क्षेत्र में नई संभावनाओं को सामने लाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि भोपाल के बाहर आयोजित होने वाली अब तक की कैबिनेट बैठकों में गांधीसागर की बैठक अलग और प्रभावी होगी। इससे क्षेत्र को नई पहचान मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में डेस्टिनेशन कैबिनेट बैठकों के माध्यम से वहां की ऐतिहासिक विरासत, भौगोलिक विशेषताओं और विकास की संभावनाओं को सामने ला रही है। गांधीसागर में होने वाली बैठक भी इसी प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को नीमच जिले के मनासा विधानसभा क्षेत्र में भी विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी जाएगी। पीक ऑवर्स में 1920 मेगावाट बिजली उत्पादन मुख्यमंत्री ने गांधीसागर में विकसित हो रही पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना को प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 11,474 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना बिजली उत्पादन और ऊर्जा भंडारण की आधुनिक तकनीक पर आधारित है। इसके शुरू होने पर बिजली की अधिक मांग वाले समय में 2 हजार मेगावाट के करीब बिजली उपलब्ध कराई जा सकेगी। इससे मांग के अनुरूप तत्काल बिजली आपूर्ति करने में मदद मिलेगी और प्रदेश में चौबीसों घंटे पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने की क्षमता मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना देश ही नहीं, बल्कि पूरे एशिया में अपनी तरह की सबसे बड़ी निर्माणाधीन स्वतंत्र पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना है। बिजली उत्पादन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश के लिए यह लंबी छलांग साबित होगी। परियोजना के शुरू होने के बाद स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों और शोधार्थियों को भी यहां भ्रमण कराया जाएगा, ताकि वे आधुनिक तकनीक से बिजली उत्पादन और ऊर्जा भंडारण की प्रक्रिया को समझ सकें। विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए बनेगा आकर्षण का केंद्र मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नवाचार और जनकल्याण से जुड़े कार्यों को लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं। पानी के माध्यम से बिजली उत्पादन और ऊर्जा भंडारण की यह परियोजना विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए किसी तीर्थ से कम नहीं होगी। गांधीसागर क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों, पर्यटन और पुरातात्विक विरासत की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यहां गांधीसागर अभयारण्य में चीता पुनर्वास परियोजना आगे बढ़ रही है। क्षेत्र की प्राचीन चट्टानों और शिलाओं पर पुरातात्विक शिलालेख एवं शैलचित्र भी मौजूद हैं। जनजातीय संस्कृति, जलराशि और ऐतिहासिक धरोहर इसे पर्यटन का महत्वपूर्ण केंद्र बनाती हैं। उन्होंने बताया कि गांधीसागर बांध क्षेत्र में केज कल्चर तकनीक के माध्यम से मछुआरा समुदाय के लोग भी आजीविका अर्जित कर रहे हैं। इस प्रकार ऊर्जा उत्पादन के साथ पर्यटन, मत्स्य पालन और स्थानीय रोजगार की संभावनाएं भी क्षेत्र के विकास को गति देंगी। 1920 मेगावाट क्षमता, छह घंटे लगातार बिजली उत्पादन गांधीसागर पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना नीमच जिले की रामपुरा तहसील के खेमला ब्लॉक में ग्रीनको ग्रुप द्वारा विकसित की जा रही है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, बुधवार 18 नवम्बर 2026

हर पंचायत में कांग्रेस लगाएगी 'वोट बचाओ-देश बचाओ' चौपाल

खूंटी। खूंटी जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक मंगलवार को जिला अध्यक्ष रवि मिश्रा की अध्यक्षता में सांसद कालीचरण मुंडा के आवासीय जिला कार्यालय में हुई। बैठक में कांग्रेस के प्रस्तावित 'वोट बचाओ-देश बचाओ' कार्यक्रम को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अभियान के तहत जिले की प्रत्येक पंचायत में चौपाल आयोजित कर मतदाताओं को जागरूक करने और इसे बूथ स्तर तक पहुंचाने की रणनीति बनाई गई।

पराली जलाने पर 2,252 किसानों पर लगा 1.12 करोड़ जुर्माना

पटियाला। पंजाब में धान की कटाई के साथ पराली जलाने की घटनाओं को लेकर पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) और प्रशासन की ओर से निगरानी एवं कार्रवाई जारी है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की 16 नवंबर 2026 तक की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में पराली जलाने की कुल 6,433 घटनाएं दर्ज की गई हैं। वहीं,राज्य में धान की कुल 32.87 लाख हेक्टेयर भूमि में से 98.50 प्रतिशत क्षेत्र में कटाई पूरी हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ में कचरे के बदले 'गार्बेज कैफे' मॉडल से मिल रहा भर पेट भोजन

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और सरगुजा जिले का 'गार्बेज कैफे' मॉडल की चर्चा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और सरगुजा जिले का 'गार्बेज कैफे' मॉडल देश भर में पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता का एक अनूठा उदाहरण बन चुका है। इस मॉडल ने कचरा प्रबंधन और सामाजिक कल्याण (भूख मिटाने) को एक साथ जोड़कर एक नया आयाम स्थापित किया है। प्रदेश का अंबिकापुर और मैनपाट का गार्बेज कैफे मॉडल इसकी मिसाल बन चुके हैं। छत्तीसगढ़ का ठोस अपशिष्ट प्रबंधन मॉडल मुख्य रूप से अंबिकापुर मॉडल (विकेंद्रीकृत एसएलआरएम प्रणाली) पर



आधारित है, जिसे राज्य स्तर पर मिशन क्लीन सिटी के रूप में लागू किया गया है। इसी मॉडल का एक रचनात्मक विस्तार सरगुजा जिले का गार्बेज कैफे नवाचार है,जो प्लास्टिक कचरे के बदले भर पेट भोजन उपलब्ध कराकर पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कल्याण को जोड़ता है। यह पहल जिला प्रशासन सरगुजा,भारतीय जीवन बीमा निगम, एचएफएल ग्रीन टुमॉरो परियोजना और फिनिश सोसाइटी के सहयोग से संचालित की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य गांव-गांव में प्लास्टिक कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन करना,पर्यावरणीय जागरूकता फैलाना और ग्रामीण महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका प्रदान करना है। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिला मुख्यालय स्थित अंबिकापुर नगर निगम ने देश का पहला गार्बेज कैफे शुरू किया था। अंबिकापुर नगर निगम द्वारा वर्ष 2019 में इसकी शुरुआत की गई थी। इस मॉडल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी मन की बात कार्यक्रम में सराहा है। इस कैफे का मूल मंत्र मोर द वेस्ट,बैटर द टेस्ट (कचरा जितना ज्यादा,स्वाद उतना बेहतर) है। यहाँ कोई भी नागरिक या कचरा बीनने वाला व्यक्ति यदि 01 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा (प्लास्टिक की बोतलें, पॉलीथिन आदि) जमा करता है,तो उसे भरपेट स्वादिष्ट भोजन चावल,दाल,सब्जी, रोटी आदि दिया जाता है। वहीं, 500 ग्राम प्लास्टिक देने पर नाश्ता मिलता है। वर्ष 2019 में अंबिकापुर नगर निगम द्वारा शुरू किया गया देश का यह पहला गार्बेज कैफे शहर के मुख्य बस स्टैंड के पास निरंतर संचालित हो रहा है। अंबिकापुर नगर निगम और शहरी कार्य मंत्रालय के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2019 में शुरुआत से लेकर जून 2026 तक 20,077 किलोग्राम (20 टन से अधिक) प्लास्टिक कचरा एकत्रित किया गया था। अक्टूबर 2026 की ताज़ा रिपोर्टों में इस कुल मात्रा के लगभग 23 टन तक पहुँचने का उल्लेख है। जून 2026 तक इस कैफे के माध्यम से 24,296 लोगों को कचरे के बदले भोजन या नाश्ता उपलब्ध कराया गया। एकत्र किए गए प्लास्टिक का उपयोग रीसाइक्लिंग और शहर में प्लास्टिक-मिश्रित सड़कें बनाने में किया जाता है। अंबिकापुर की शहरी सफलता के बाद सरगुजा जिले के ही प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मैनपाट (रोपाखार ग्राम पंचायत) में देश का पहला ग्रामीण गार्बेज कैफे शुरू किया गया है।

राष्ट्रवाद के ओजस्वी स्वर और अद्वितीय वक्ता थे बालासाहेब ठाकरे : शिवराज सिंह

शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मनोहर लाल, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के मुख्यमंत्री ने श्रद्धांजलि दी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पोस्ट में कहा,राष्ट्रवाद के ओजस्वी स्वर,अद्वितीय वक्ता, शिवसेना के संस्थापक,जननेता बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करता हूं! महाराष्ट्र के विकास में अहम योगदान और अपने प्रखर विचारों के लिए सदैव हमारे हृदय में अमर रहेंगे। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रखर राष्ट्रवादी एवं जनप्रिय नेता, शिवसेना के संस्थापक आदरणीय बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। उनका जीवन साहस, स्पष्टवादिता और सांस्कृतिक स्वाभिमान की अद्भुत मिसाल रहा। उन्होंने कभी भी अपने सिद्धांतों और विचारधारा से



समझौता नहीं किया। राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए उनका अडिग समर्पण सदैव हमें कर्तव्यपथ पर अग्रसर रहने की प्रेरणा देता रहेगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा, शिवसेना के संस्थापक आदरणीय बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। बालासाहेब विचारों से दृढ़ एवं राष्ट्रीय मूल्यों के सच्चे समर्थक थे, उनका राष्ट्रवादी व्यक्तित्व हम सभी के लिए एक प्रेरणा है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर लिखा, प्रखर राष्ट्रवादी विचारधारा के संवाहक,ओजस्वी वक्ता एवं निर्भीक नेतृत्व के प्रतीक श्रद्धेय बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। सांस्कृतिक अस्मिता, राष्ट्रीय स्वाभिमान और अपने सिद्धांतों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए उनका सार्वजनिक जीवन सदैव स्मरण किया जाएगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रखर राष्ट्रवादी,हिंदू हृदय सम्राट एवं शिवसेना के संस्थापक श्रद्धेय बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि एवं कोटि-कोटि नमन। हिंदुत्व,राष्ट्रवाद और जनहित के प्रति उनका अडिग संकल्प, ओजस्वी विचार एवं निर्भीक नेतृत्व सदैव देशवासियों को प्रेरित करते रहेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक्स पोस्ट में कहा, प्रखर राष्ट्रवादी, ओजस्वी वक्ता एवं अद्वितीय जननायक, बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! राष्ट्रवाद और समाजहित के लिए उनका आजीवन समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके ओजस्वी विचार आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र सेवा के लिए निरंतर प्रेरित करते रहेंगे। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रखर राष्ट्रवादी नेता एवं शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! हिंदुत्व, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रहित के प्रति उनका अटूट समर्पण तथा निर्भीक व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा।

देव दीपावली पर 2,100 ड्रोन से जगमगाएगी काशी,होगा भव्य आयोजन

आगामी 24 नवंबर को देव दीपावली पर ड्रोन शो बढ़ाएगा काशी का वैभव



लखनऊ। काशी की देव दीपावली इस बार आसमान में भी आस्था और अध्यात्म के रंग बिखेरेगी। गंगा घाटों पर पहली बार लाखों दीपों की जगमगाहट के बीच 2,100 स्वदेशी ड्रोन आसमान में भगवान भोलेनाथ,शिव तांडव,गंगा अवतरण और काशी विश्वनाथ की भव्य आकृतियां उकेरेंगे। करीब 15 मिनट का यह हाईटेक शो संगीत और आवाज के समन्वय से देव दीपावली के पौराणिक वैभव को जीवंत करेगा। उत्तर पर्यटन विभाग ने 24 नवंबर को होने वाले इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्वरूप देने की भव्य तैयारियां की हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि %मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में वाराणसी के राजघाट से नमो घाट तक लाखों दीपों की रोशनी के बीच देव दीपावली का भव्य आयोजन होगा। इस बार 2,100 स्वदेशी ड्रोन आसमान में पौराणिक प्रसंगों को साकार कर उत्सव की दिव्यता को विस्तार देंगे। आध्यात्मिक महत्ता और काशी की विरासत पर आधारित 15 मिनट की इस प्रस्तुति में 15 विशेष ड्रोन फॉर्मेशन नजर आएंगे। थ्री-डी एनिमेशन से तैयार आकृतियों को थीम आधारित संगीत और हिंदी वॉयस ओवर के साथ इस तरह संयोजित किया जाएगा कि गंगा के आकाश में एक के बाद एक मनमोहक दृश्य उभरेंगे। इसका मुख्य आयोजन 24 नवंबर को होगा। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ड्रोन शो की थीम 'देव दीपावली' पर आधारित होगी। इसमें भगवान शिव, महेश्वर सूत्र, संगीतमय शिव तांडव और मां गंगा के अवतरण के दृश्य काशी के आसमान में साकार होंगे। साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर, मां विशालाक्षी और बाबा कालभैरव की दिव्य आकृतियां भी दर्शकों को आकर्षित करेंगी। प्रस्तुति के माध्यम से काशी की आध्यात्मिक विरासत के साथ उत्तर प्रदेश सरकार और पर्यटन विभाग के लोगो को भी प्रदर्शित किया जाएगा। देवताओं की दीपावली के नाम से विख्यात यह पर्व कार्तिक पूर्णिमा को वाराणसी में मनाया जाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में विगत वर्षों में वाराणसी की देव दीपावली को भव्य स्वरूप दिया गया है। दीपावली के 15 दिन बाद पड़ने वाले इस उत्सव का विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है।

जदयू ने संगठन में किया बड़ा फेरबदल, पूर्व सांसद चंदेश्वर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

श्रवण कुमार उत्तर प्रदेश संगठन की जिम्मेदारी, कई राज्यों के प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने अपने राष्ट्रीय संगठन को मजबूत और अधिक सक्रिय बनाने के उद्देश्य से संगठनात्मक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। पार्टी ने मंगलवार को नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों, विभिन्न राज्यों के प्रभारियों और सह-प्रभारियों की सूची जारी की। इसके तहत अफाक अहमद खान राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। जबकि चंदेश्वर चंद्रवंशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार को उत्तर प्रदेश में संगठन की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि पूर्व सांसद अनिल प्रसाद हेगड़े को पूर्वोत्तर राज्यों का सह-प्रभारी बनाया गया है। राष्ट्रीय महासचिवों में विधायक श्याम रजक को महाराष्ट्र, विधायक रामसेवक सिंह को

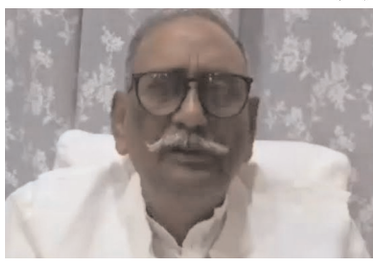

झारखंड और पूर्व विधायक रमेश सिंह कुशवाहा को उत्तर प्रदेश का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। पूर्व सांसद कंवरदीप कौर को महिला विंग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, पूर्व विधायक सुनील कुमार को दिल्ली और पूर्व सांसद मौलाना गुलाम रसूल बलियावी को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रभारी बनाया गया है। राज सिंह मान को हरियाणा, मनीष कुमार वर्मा को ओडिशा और हरविंदर सिंह को गोवा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं मीडिया प्रकोष्ठ का दायित्व राजीव रंजन प्रसाद को दिया गया है। पार्टी ने राष्ट्रीय महासचिवों के साथ राष्ट्रीय सचिवों की सूची भी जारी की है। इसके तहत रवींद्र प्रसाद सिंह को छत्तीसगढ़, विद्या सागर निषाद को मध्य प्रदेश और दयानंद राय को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। संजय कुमार को कर्नाटक, मोहम्मद निसार को पार्टी मुख्यालय एवं तमिलनाडु, शैलेंद्र कुमार को पंजाब, रूहल नागुण को असम और धर्मेंद्र तिवारी को पश्चिम बंगाल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। महिला संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से निवेदिता कुमारी को महिला प्रकोष्ठ का सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। संगठनात्मक फेरबदल के तहत शैलेंद्र कुमार को दिल्ली इकाई के अध्यक्ष पद से मुक्त कर राष्ट्रीय सचिव एवं पंजाब राज्य इकाई का प्रभारी बनाया गया है।

जनता के लिए खोला जाएगा शीश महल,मंत्री प्रवेश वर्मा ने किया ऐलान



आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल के बंगले को लेकर मंत्री वर्मा का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने मंगलवार को शीश महल को लेकर बड़ा फैसला लिया है। शीश महल अब आम जनता के लिए खोला जाएगा। इसकी जानकारी खुद दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने दी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया कि शीशमहल अगले सप्ताह से आम जनता के लिए खोला जाएगा। पहले इसे स्टेट गेस्ट हाउस बनाने का फैसला लिया गया था। इसके साथ ही उन्होंने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया कि कभी बंगला और गाड़ी नहीं लेने का दावा करने वाले व्यक्ति ने कई बंगलों को तुड़वाकर शीश महल बनवाया। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा, कई सालों से दिल्ली की जनता शीश महल को देखना चाहती थी। मैं दिल्लीवासियों को ये खुशखबरी देना चाहता हूं कि पिछली कैबिनेट की बैठक में यह तय हुआ था कि शीश महल को स्टेट गेस्ट हाउस बनाया जाएगा। मगर अब दिल्ली की जनता और मीडिया की मांग को देखते हुए ये तय किया गया है कि शीश महल को जनता के लिए खोला जाएगा। इसके लिए टिकट की बुकिंग कैसे करनी है, उसके बारे में बाकी जानकारी आपको आगे दी जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि सबसे पहला दौरा हम अपने मीडिया को करवाना चाहते हैं। सबसे पहले देश की मीडिया को दिखाएंगे कि कैसे एक व्यक्ति जिसने कहा था कि मैं गाड़ी और बंगला नहीं लूंगा। पहले उसने कई बंगलों और सर्वेंट चार्टरों को तोड़ा, गैराज को तोड़ा, और फिर उसके बाद शीश महल बनवाया। शीश महल का केवल एक ही कमरा दिखाया जाता था, जहां पर बेमन से शहीद-ए-आजम भगत सिंह और बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की फोटो लगी हुई थी। मंत्री प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया कि शीश महल के अंदर किसी को भी जाने की अनुमति नहीं दी जाती थी। उसके अंदर करोड़ों रुपये के पर्दे लगे हुए हैं और वियतनाम का मार्बल लगाया गया है। इसको लेकर मैंने पहले भी यह जानकारी दी है। लेकिन अब जनता वहां का पूरा टूर कर पाएगी। अब जनता भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा उदाहरण खुद देख पाएगी। यमुना में सफेद झाग और आप नेता सौरभ भारद्वाज की कालिंदी कुंज से पानी पीने की चुनौती पर प्रवेश वर्मा ने कहा, दिल्ली में छठ महापर्व का आयोजन बड़े स्तर पर हुआ और करीब 2,500 घाटों पर पूजा कार्यक्रम हुआ। वहां लाखों लोगों ने इसमें हिस्सा लिया।

आईआईटीएफ 2026 में पंजाब ने पेश किया अपना सर्वश्रेष्ठ रूप

चंडीगढ़। पंजाब दिल्ली में चल रहे 45वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला-2026 में अपनी सांस्कृतिक विरासत,कृषि शक्ति और औद्योगिक क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहा है, जिसकी शुरुआत 13 नवंबर को हुई थी। पंजाब स्मॉल इंडस्ट्रीज एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा मेले की थीम विकास और विरासत के तहत तैयार और विकसित किया गया 450 वर्ग मीटर का यह पवेलियन पंजाब की गौरवशाली पारंपरिक जड़ों से लेकर एक आधुनिक,औद्योगिक रूप से विकसित और प्रौद्योगिकी-आधारित भविष्य की ओर बढ़ने की यात्रा को दर्शाता है। इसमें पारंपरिक पंजाबी मेहराबों (आर्च), झरोखों, रंग-बिरंगे रूपांकनों और सजावटी तत्वों को आधुनिक एलईडी डिस्प्ले,रोशनी से जगमगाती संरचनाओं और डिजिटल इंस्टॉलेशन के साथ जोड़ा गया है। प्रमुख आकर्षणों में पंजाब का एक केंद्रीय त्रि-आयामी मॉडल,धातु से बनी काले हिरण की मूर्ति, एआई आधारित सेल्फी पॉइंट और पारंपरिक शिल्प का लाइव प्रदर्शन शामिल है। एक समर्पित निवेश प्रोत्साहन क्षेत्र में पंजाब के निवेशक-अनुकूल माहौल को उजागर किया गया है, जिसमें 'इन्वेस्ट पंजाब', सिंगल-विंडो सुविधा, निवेश प्रोत्साहन (रियायतें) और प्राथमिकता वाले औद्योगिक क्षेत्र शामिल हैं।



सम्पादकीय

उनका अपना पक्ष है

इस किताब के जरिए ऐसे व्यक्ति का पक्ष सामने आया है, जो ऐतिहासिक संयोग के कारण भारतीय राजनीति का एक केंद्र बन गईं। और जो उस परिवार से संबंधित रहीं, जिसकी दशकों तक अहम भूमिका रही है। सोनिया गांधी की आत्मकथा व्यक्तिगत या पारिवारिक दायरे से आगे जाते हुए उन कई प्रकरणों को भी छूती है, जो पिछले लगभग छह दशक में विवादित एवं बहुचर्चित रहे हैं। ऐसे में इस किताब पर दूसरे हलकों से प्रतिक्रिया आना या वैकल्पिक कथा पेश किया जाना स्वाभाविक ही है। अत: कुछ मामलों को लेकर राजनीतिक पारा चढ़ा है, तो उसे आम राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा मान कर नजरअंदाज कर दिया जाना चाहिए। इसलिए कि इस किताब का महत्त्व कहीं और है। इसके जरिए एक ऐसे व्यक्ति का पक्ष सामने आया है, जो ऐतिहासिक संयोग के कारण निजी दायरे से निकल कर भारतीय राजनीति का एक केंद्र बन गईं। उस व्यक्ति का, जो उस परिवार से संबंधित रहीं, जिसका दशकों तक इस देश का सियासी रूप ढालने में निर्णायक योगदान रहा है। भारत में इस हैसियत में रहे व्यक्तियों के बारे में तो सैकड़ों किताबें लिखी गई हैं, लेकिन तत्कालीन घटनाओं पर अक्सर उनका अपना पक्ष सामने नहीं आया। जवाहरलाल नेहरू की आत्मकथा 1936 में प्रकाशित हुई, तब देश की बागडोर उनके हाथ में नहीं थी। नतीजतन, आजादी के बाद आरंभिक वर्षों में जो कुछ हुआ, उस पर लिखी गईं अनगिनत किताबों से जानकारियां तो खूब उपलब्ध हैं, लेकिन उन अहम घटनाओं के बारे में नेहरू का अपना पक्ष हमें मालूम नहीं है। यही बात महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अन्य प्रधानमंत्रियों पर भी लागू होती है। इंदर कुमार गुजराल ने जरूर आत्मकथा लिखी, लेकिन उनका कार्यकाल इतिहास में महज एक क्षेपक की तरह दर्ज है। पी.वी. नरसिंह राव ने अपनी कहानी उपन्यास की शक्ल में लिखी, इसलिए यह तय करना कठिन बना रहा है कि उसमें कितना तथ्य और कितनी किस्सागोई है। इस पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए सोनिया गांधी का अपना, और प्रकारांतर में गांधी परिवार का पक्ष रखना महत्त्वपूर्ण दस्तावेज बन जाता है। इससे मालूम हुआ है कि गुजरे छह दशकों की घटनाओं को इस परिवार के अंदर कैसे देखा गया। बेशक, उसे देखने के बहुतेरे दूसरे स्रोत और नजरिए भी उपलब्ध हैं। मगर इतिहास सभी पक्षों के दृष्टिकोण को शामिल करते हुए ही वस्तुगत रूप ग्रहण करता है।

पहाड़ों में मुनाफ़े की उड़ान और सुरक्षा रामभरोसे!

रजनीश कपूर

ऑरेंज अलर्ट और खराब मौसम के बीच उड़ान भरने वाला यह विमान संपर्क टूटने के तुरंत बाद पहाड़ी से टकराया। यह हादसा चारधाम क्षेत्र में हो रहे हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं की श्रृंखला का हिस्सा है और पहाड़ी उड़ानों की मूलभूत कमजोरियों को उजागर करता है। पहाड़ों में हेलीकॉप्टर उड़ानें स्वाभाविक रूप से जोखिम भरी होती हैं। संकरी घाटियां, अचानक बदलता मौसम, घना बादल, तेज हवाएं और ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी पायलट के निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है। चारधाम यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवाएं लोकप्रिय हो गई हैं क्योंकि वे तीर्थयात्रियों को कठिन पैदल यात्रा से बचाती हैं। लेकिन यह सुविधा सुरक्षा के मूल्य पर आ रही है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (ढ्ढक्क) के आंकड़ों के अनुसार 2015 से 2025 के बीच चारधाम सेक्टर में आठ दुर्घटनाएं और एक गंभीर घटना हुईं, जिनमें से पांच घातक थीं। इनमें से अधिकांश का कारण मानक संचालन प्रक्रियाओं (स्ह्रक्क) का पालन न करना, खराब मौसम में निर्णय लेना और ऊंचाई संबंधी चुनौतियां थीं। 2025 में ही कई हादसे हुए, जिनमें गौरीकुंड और उत्तराकाशी के क्रैश प्रमुख हैं। जोशीमठ हादसे के संभावित कारणों में मौसम सबसे अहम माना जा सकता है। भारतीय मौसम विभाग ने चमोली में तूफान, बारिश और तेज हवाओं का ऑरेंज अलर्ट जारी किया था।

2015 से 2025 के बीच चारधाम सेक्टर में आठ दुर्घटनाएं और एक गंभीर घटना हुईं, जिनमें से पांच घातक थीं। इनमें से अधिकांश का कारण मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन न करना, खराब मौसम में निर्णय लेना और ऊंचाई संबंधी चुनौतियां थीं। 2025 में ही कई हादसे हुए, जिनमें गौरीकुंड और उत्तराकाशी के क्रैश प्रमुख हैं। उत्तराखंड के चमोली जिले में 30 अक्टूबर 2026 को बद्रीनाथ से देहरादून के सहस्त्रधारा हेलीपैड के लिए उड़ान भरने वाला ट्रांस भारत एविएशन का हेलीकॉप्टर VT-HCX जोशीमठ के पास चाई गांव-हाथी पर्वत क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें दिल्ली के रहने वाले पायलट कैप्टन हिमांशु सभरवाल समेत पांच कर्नाटक के यात्रियों की मौत हो गई, जिनमें बेंगलुरु पुलिस के इंस्पेक्टर अरुण सालुंके भी शामिल थे। ऑरेंज अलर्ट और खराब मौसम के बीच उड़ान भरने वाला यह विमान संपर्क टूटने के तुरंत बाद पहाड़ी से टकराया। यह हादसा चारधाम क्षेत्र में हो रहे हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं की श्रृंखला का हिस्सा है और पहाड़ी उड़ानों की मूलभूत कमजोरियों को उजागर करता है। पहाड़ों में हेलीकॉप्टर उड़ानें स्वाभाविक रूप से जोखिम भरी होती हैं। संकरी घाटियां, अचानक बदलता मौसम, घना बादल, तेज हवाएं और ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी पायलट के निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करती है। चारधाम यात्रा में हेलीकॉप्टर सेवाएं लोकप्रिय हो गई हैं क्योंकि वे तीर्थयात्रियों को कठिन पैदल यात्रा से बचाती हैं। लेकिन यह सुविधा सुरक्षा के मूल्य पर आ रही है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) के आंकड़ों के अनुसार 2015 से 2025 के बीच चारधाम सेक्टर में आठ दुर्घटनाएं और एक गंभीर घटना हुईं, जिनमें से पांच घातक थीं। इनमें से अधिकांश का कारण मानक संचालन प्रक्रियाओं (SOP) का पालन न करना, खराब मौसम में निर्णय लेना और ऊंचाई संबंधी चुनौतियां थीं। 2025 में ही कई हादसे हुए, जिनमें गौरीकुंड और उत्तराकाशी के क्रैश प्रमुख हैं। जोशीमठ हादसे के संभावित कारणों में मौसम सबसे अहम माना जा सकता है। भारतीय मौसम विभाग ने चमोली में तूफान, बारिश और तेज हवाओं का ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। उड़ान भरते समय स्थानीय मौसम भले ही साफ रहा होगा, लेकिन घाटी में बादल और वर्षा अचानक छा गए होंगे। पहाड़ी उड़ानों में नियंत्रित उड़ान में भू-भाग से टकराना (CFIT) एक सामान्य कारण होता है, जब पायलट दृश्यता खोकर गलत दिशा में चला जाता है। अन्य संभावित कारणों में पायलट का अनुभव, विमान की रखरखाव स्थिति या ऑपरेटर द्वारा जल्दबाजी में उड़ान भरने का दबाव शामिल हो सकता है। एएआईबी जांच में उपलब्ध उपकरणों की जांच करेगा (हेलीकॉप्टर में आमतौर पर ब्लैक बॉक्स नहीं होता), पायलट का उड़ान इतिहास, रखरखाव रिकॉर्ड और चारधाम संबंधी डीजीसीए नियमों का अनुपालन देखा जाएगा। जांच में दोषी कौन साबित होगा, यह अभी स्पष्ट नहीं। एएआईबी का उद्देश्य दोषारोपण नहीं, बल्कि कारण पता कर भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। फिर भी व्यावहारिक रूप से पायलट की निर्णय लेने की गलती, ऑपरेटर की नियामकीय लापरवाही या दोनों सामने आ सकते हैं। फ़िलहाल उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण ने ट्रांस भारत एविएशन के पूरे बेड़े को एहतियातन ग्राउंड कर दिया है। पूर्व में इस कंपनी के पायलटों के लाइसेंस खराब मौसम में उड़ान भरने पर निलंबित हो चुके हैं और आपातकालीन लैंडिंग की घटनाएं भी रही हैं। यदि जांच में SOP उल्लंघन या मुनाफ़े के दबाव में उड़ान साबित हुई, तो ऑपरेटर और संबंधित प्रबंधन जिम्मेदार ठहराए जा सकते हैं। भारत में निजी हेलीकॉप्टर ऑपरेटर चारधाम जैसे क्षेत्रों में नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ाते हुए देखे गए हैं। एएआईबी पुरानी रिपोर्टों में स्पष्ट हुआ है कि अधिकांश हादसे SOP का पालन न करने से हुए। फर्जी फ्लाइट लॉग, पायलटों के ड्यूटी घंटों की अनदेखी, खराब मौसम में उड़ान और अतिरिक्त यात्राओं के लिए नकद लेन-देन जैसी शिकायतें आम रही हैं। 2025 के गौरीकुंड क्रैश में आर्यन एविएशन पर SOP उल्लंघन का आरोप लगा और उसके संचालन निलंबित किए गए। डीजीसीए ने कई बार ऑडिट किए, जुर्माने लगाए और कुछ ऑपरेटरों को अस्थायी रूप से रोका, लेकिन ये कदम अधिकतर हादसों के बाद प्रतिक्रियात्मक रहे हैं। मुनाफे की होड़ में यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए नियमों को ताक पर रखा जाता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय और डीजीसीए इस मामले में ढीले साबित हो रहे हैं क्योंकि नियामक ढांचा काफ़ी हद तक खंडित है। डीजीसीए राष्ट्रीय स्तर पर लाइसेंसिंग और नियम बनाने वाला निकाय है, जबकि उत्तराखंड में उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण दैनिक समन्वय संभालता है। गौरतलब है कि संसदीय स्थायी समिति ने भी इस क्षेत्राधिकारिक अस्पष्टता को रेखांकित किया है कि डीजीसीए निरंतर और सक्रिय पर्यवेक्षण नहीं करता। पर्वतीय उड़ानों के लिए पर्याप्त हिल-फ्लाइंग अनुभव, मौसम निगरानी और आपातकालीन लैंडिंग स्थलों की कमी बनी हुई है। एएआईबी ने 50 घंटे की पर्यवेक्षित हिल उड़ान की सिफारिश की है, लेकिन इसका क्रियान्वयन कमजोर रहा है। परिणाम यह है कि हादसे होते रहते हैं और केवल अस्थायी ग्राउंडिंग या सर्कुलर जारी करके मामला ठंडा कर दिया जाता है। निजी चॉपर ऑपरेटरों द्वारा केवल मुनाफे के बारे में सोचना और यात्रियों की सुरक्षा के साथ समझौता करना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं। चारधाम यात्रा आध्यात्मिक है, लेकिन यह व्यावसायिक अवसर भी बन गई है। जब ऑपरेटर खराब मौसम की चेतावनी के बावजूद उड़ान भरते हैं या पायलटों पर अतिरिक्त सॉर्टी का दबाव डालते हैं, तो वे जानबूझकर जोखिम बढ़ा रहे होते हैं। यात्रियों को 'तीर्थ यात्रा' का आकर्षण दिखाकर महंगे टिकट बेचे जाते हैं, लेकिन उनके जीवन की कीमत मुनाफे के आगे नहीं आंकी जाती। सुरक्षा एक समझौता नहीं, अनिवार्य शर्त होनी चाहिए। जोशीमठ हादसा एक और चेतावनी है। एएआईबी की विस्तृत रिपोर्ट आने तक निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी, लेकिन पैटर्न साफ है। पहाड़ी उड़ानों के लिए सख्त मौसम प्रोटोकॉल, अनुभवी पायलटों की अनिवार्य शर्त, रियल-टाइम निगरानी और प्रभावी दंड व्यवस्था जरूरी है। मंत्रालय और डीजीसीए को प्रतिक्रियात्मक रवैये से हटकर सक्रिय नियामक बनना होगा। अन्यथा मुनाफे की ये उड़ानें और जानें लेती रहेंगी।



राशिफल



मेष राशि- आज का दिन अनुकूल मेष राशि वालों आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। माता-पिता के साथ आप अपने मन की बातें साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वे आज अपने परिवार से मिल सकते हैं। परिवार वालों के साथ धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होंगे, जिससे आपके मन को शांति मिलेगी। आज कार्यों में भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ राशि- आज का दिन ठीक-ठाक वृषभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको नकारात्मक सोचने से बचना चाहिए। आपके परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। बच्चे आज आपकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन राशि- आज का दिन उत्तम मिथुन राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। काम के प्रति समर्पण होने से आप जल्दी ही सफलता की ओर अग्रसर होंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा, जिससे आपको अच्छा महसूस होगा। कोई खास कार्य संपन्न होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क राशि- आज का दिन उत्तम कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज कोई शुभ समाचार मिलने की संभावना है।

सिंह राशि- आज उमंग और खुशी सिंह राशि वालों आज आपमें एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे, उसे पूरे मन से करेंगे। आपको कोई नया अनुभव मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और सम्मान भी बढ़ेगा। आप किसी मित्र से सहयोग लेंगे।

कन्या राशि- आज का दिन अनुकूल कन्या राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। समाज सेवा से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा और लोगों का सहयोग मिलेगा। आज के दिन अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें। किसी से बात करते समय मीठी भाषा का प्रयोग करें। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

तुला राशि- माता-पिता की सेवा में बीतेगा दिन तुला राशि वालों आज आपका दिन माता-पिता की सेवा में बीतेगा। आज आप जमीन से संबंधित कोई लेन-देन करने जा रहे हैं, तो पहले उसकी अच्छी तरह जांच-पड़ताल जरूर कर लें। आज का दिन सुखद बीतेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक या मनोरंजन संबंधी यात्रा का कार्यक्रम बनेगा।

वृश्चिक राशि- आज का दिन शानदार वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज युवाओं को अपनी पढ़ाई और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे। बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताएं। आज कोई भी कागजी काम करते समय पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें।

धनु राशि- आज उमंग से भरा रहेगा दिन धनु राशि वालों आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। नौकरीपेशा लोगों की अच्छी आय होगी। प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं के लिए भागदौड़ के बाद काम बन जाएगा। सगे-संबंधियों से अच्छा तालमेल बनेगा। आज किसी जरूरतमंद की सहायता करने का मौका मिलेगा।

मकर राशि- आज का दिन बेहतरीन मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने व्यवहार में सुधार लाने की जरूरत है, क्योंकि कभी-कभी आपका जल्दबाजी और आवेशपूर्ण स्वभाव लोगों के लिए परेशानियां खड़ी कर देता है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह अवश्य लें।

कुंभ राशि- कार्यक्षेत्र में मिलेगी तरक्की कुंभ राशि वालों आज आपका दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज किसी भी परिस्थिति में घबराने के बजाय अपनी बुद्धि और कार्य क्षमता का उपयोग करेंगे, तो समय रहते उचित हल भी निकल आएंगे।

मीन राशि- नौकरी में मिलेंगे अच्छे अवसर मीन राशि वालों आज आपका मन उत्साहित रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर आने के योग बन रहे हैं और उनकी सैलरी में इजाफा होगा। आज कुछ समय एकांत या आध्यात्मिक स्थल पर व्यतीत करेंगे। भाइयों के साथ चल रही समस्या किसी वरिष्ठ व्यक्ति की सहायता से हल हो जाएगी।

दिल्ली-एनसीआर के इस संकट का समाधान क्या?

रजनीश कपूर

पराली समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। साथ ही, दिल्ली-एनसीआर का साल भर का प्रदूषण मुख्य रूप से स्थानीय स्रोतों, यानी वाहन उत्सर्जन, सड़क व निर्माण धूल और औद्योगिक गतिविधियों आदि से आता है। मौसमी पराली और दीवाली के पटाखे उस पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं। दीपावली के अगले दिन दिल्ली-ऋक्ष बड़े खतरनाक स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन 11 नवंबर को दिल्ली की औसत वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार दिखा। सुबह सात बजे-ऋक्ष लगभग 299 पर पहुंचा, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। कुछ दिनों पहले यह आंकड़ा 'बहुत खराब और गंभीर' श्रेणी में था। मजबूत हवाओं ने कुछ प्रदूषकों को बिखेर दिया, लेकिन यह राहत नाजुक है। चांदनी चौक, आईआईटी दिल्ली, डीटीयू, नॉर्थ कैंपस और छावला जैसे कई स्टेशनों पर-ऋक्ष अभी भी 370-396 के आसपास है। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम के अनुसार अगले कुछ दिन भी स्थिति 'बहुत खराब' बनी रहने की संभावना है। यह सुधार दीवाली के बाद आया है। 8 नवंबर को दीवाली के दिन दिल्ली का औसत-ऋक्ष 376 दर्ज हुआ, जो पिछले पांच वर्षों में त्योहार वाले दिन का सबसे ऊंचा आंकड़ा था। पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद कई जगहों पर उनका इस्तेमाल हुआ। साथ ही मौसमी परिस्थितियां प्रतिकूल रहीं। त्रन्नक्क का स्टेज-3 छह नवंबर को एहतियाती कदम के रूप में लागू किया गया था, जब-ऋक्ष 382 पर पहुंच गया। स्टेज-1 (21 अक्टूबर से) और स्टेज-2 (2 नवंबर से) पहले से लागू थे। निर्माण गतिविधियों पर सख्ती, पुराने वाहनों पर प्रतिबंध, स्कूलों में हाइब्रिड मोड और कार्यालयों में वर्क फ्रॉम होम जैसे कदम जारी हैं। पानी छिड़काव मशीनें भी तैनात की गई हैं। हरियाणा में पराली जलाने के मामले लंबे समय से कम हो रहे हैं। इस सीजन में भी संख्या अपेक्षाकृत नियंत्रित रही है। पंजाब में हालांकि पिछले वर्षों की तुलना में कुल संख्या काफी घटी है (2020 के मुकाबले 90 प्रतिशत से अधिक कमी), लेकिन इस साल पिछले वर्ष की तुलना में कुछ अधिक मामले सामने आए हैं। दीवाली की रात पंजाब में सैटेलाइट से एक हजार से अधिक आग के मामले दर्ज हुए, जो पूरे सीजन का उच्चतम एक दिन का आंकड़ा था। कुछ रिपोर्टों में शाम के समय जलाने की प्रवृत्ति और सैटेलाइट डिटेक्शन की सीमाओं का जिक्र है। नासा से जुड़े एक वैज्ञानिक ने आधिकारिक आंकड़ों से कहीं अधिक वास्तविक आग का अनुमान लगाया है। इस बात से यह स्पष्ट होता है कि पराली समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। मशीन वितरण, बायोगैस प्लांट और पराली बेचने के बाजार ने हरियाणा में मदद की है, लेकिन पंजाब में समय पर खेत खाली करने का दबाव अभी भी बना हुआ है। साथ ही, दिल्ली-एनसीआर का साल भर का प्रदूषण मुख्य रूप से स्थानीय स्रोतों, यानी वाहन उत्सर्जन, सड़क व निर्माण धूल और औद्योगिक गतिविधियों आदि से आता है। मौसमी पराली और दीवाली के पटाखे उस पर अतिरिक्त बोझ डालते हैं। ऐसे में त्रन्नक्क के विभिन्न चरण लागू होने के बावजूद प्रदूषण का स्तर दीवाली के आसपास चढ़ा और अब हवा के सहारे थोड़ा उतरा। पिछले वर्षों का अनुभव यही बताता है कि जब-ऋक्ष पहले से बहुत खराब हो जाता है, तब सख्त प्रतिबंध लगाने का मतलब है कि पहले की तैयारी अधूरी रही। वाहन जांचें और निर्माण प्रतिबंध, ट्रैफिक व आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करते हैं, लेकिन उनका दीर्घकालिक प्रभाव सीमित रहता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि हर साल इन दिनों में प्रदूषण के इस चक्र से निकलने के लिए संरचनात्मक कदम जरूरी हैं। सार्वजनिक परिवहन और वाहन संक्रमण- मेट्रो, आरआरटीएस और इलेक्ट्रिक बसों की आवृत्ति व अंतिम मील कनेक्टिविटी को और मजबूत करना। गैर-बीएस-6 वाहनों के चरणबद्ध निष्कासन के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बुनियादी ढांचा और प्रोत्साहन बढ़ाना। पार्किंग नीति को पूरे एनसीआर में एकीकृत और प्रभावी बनाना। धूल नियंत्रण साल भर चले- निर्माण स्थलों पर एंटी-स्मॉग गन, कवरिंग और नियमित निरीक्षण अनिवार्य किए जाएँ। सड़कों की यांत्रिक सफाई को केवल सर्दियों तक सीमित न रखकर पूरे वर्ष चलाया जाए। पराली का आर्थिक समाधान खोजा जाए- यदि हरियाणा में पराली के आंकड़े घटे हैं तो इस मॉडल को पंजाब में और मजबूत करना होगा। सुपर सीडर जैसी मशीनों की उपलब्धता, पराली आधारित उद्योगों और बायोगैस प्लांटों का विस्तार, तथा किसानों को समय पर विकल्प देना। शाम के समय जलाने की निगरानी के लिए बेहतर तकनीक और जमीन स्तर पर प्रवर्तन को युद्ध स्तर पर बढ़ाना होगा। स्रोत-आधारित पारदर्शी निगरानी- वास्तविक समय में वाहन, धूल, उद्योग और कृषि अवशेष का योगदान खुले डेटा के रूप में उपलब्ध हो। इससे नीतिगत प्राथमिकताएं स्पष्ट होंगी। क्षेत्रीय समन्वय- दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बीच संयुक्त लक्ष्य और जवाबदेही के नियम बनें। ष्टक्तरू के आदेशों का वास्तविक क्रियान्वयन और स्वतंत्र निगरानी हो। त्योहारों की पहले से योजना बने- पटाखों के विकल्पों को बढ़ावा दिया जाए, स्वास्थ्य सलाह और स्कूल-अस्पतालों में तैयारी की जाए। दीवाली से पहले ही सख्त क्रियान्वयन और जागरूकता की आवश्यकता है। गौरतलब है कि त्रेतायुग में जब भगवान श्री राम लंका विजय के बाद अयोध्या लौटे, तो प्रजा ने उनका स्वागत मिट्टी के दीयों (दीपमालिका) से किया था। प्राचीन काल में दिवाली मुख्य रूप से दीपों, स्वच्छता, पूजा और मिठाइयों का त्योहार थी। वैसे भी आतिशबाजी का मूल अर्थ 'आग का खेल' है। यह फारसी भाषा के दो शब्दों 'आतश' (आग) और 'बाज़ी' (खेल) से मिलकर बना है। दिल्ली-एनसीआर के करोड़ों लोग हर सर्दी स्वास्थ्य जोखिम में जीते हैं। ऐसे में बच्चे, बुजुर्ग और सांस के मरीज सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। हरियाणा में पराली में कमी और हवाओं से मिली अस्थायी राहत सकारात्मक संकेत हैं, लेकिन ये स्थायी समाधान नहीं। त्रन्नक्क जैसे आपातकालीन कदम जरूरी हैं, पर वे रोकथाम की जगह नहीं ले सकते। अब प्रतिक्रिया से आगे बढ़कर साल भर के उत्सर्जन नियंत्रण, बुनियादी ढांचे के निवेश और किसानों के लिए व्यवहार्य विकल्पों पर ध्यान देना होगा। केवल आदेश जारी करने से हवा साफ नहीं होती, निरंतर और पारदर्शी क्रियान्वयन से होती है।



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 18 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

गोबर की खाद और वर्मीकंपोस्ट: पौधों के लिए क्या है बेस्ट? जानिए फर्क

पोधों की अच्छी ग्रोथ के लिए गोबर की खाद और वर्मीकंपोस्ट किया जाता है, लेकिन कई लोग इसे एक ही समझ लेते हैं। अगर आपको गार्डनिंग पसंद है, तो आप गोबर की खाद और वर्मीकंपोस्ट का इस्तेमाल जरूर करती होंगी। ज्यादातर लोग पौधों में इन्हीं दोनों खाद का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन कई बार लोगों के मन में सवाल आता है कि आखिर दोनों में से कौन सी खाद ज्यादा अच्छी है? क्या सिर्फ गोबर की खाद डालना काफी है या फिर वर्मीकंपोस्ट से ज्यादा फायदा मिलता है? आपको बता दें कि ये दोनों ही ऑर्गेनिक खाद हैं। इन दोनों के अपने-अपने फायदे हैं। बस आपको पौधों के हिसाब से इनका इस्तेमाल करना चाहिए। आज हम आपको अपने इस लेख में बताएंगे कि गोबर की खाद और वर्मीकंपोस्ट में क्या अंतर है और किस पौधे के लिए कौन-सी खाद का इस्तेमाल करना ज्यादा सही रहेगा। आइए जानते हैं-

क्या होती है गोबर की खाद?

गोबर की खाद गाय, भैंस या दूसरे पशुओं के गोबर को पूरी तरह सड़ाकर तैयार की जाती है। इसे अच्छी तरह सड़ने के बाद ही पौधों में डालना चाहिए। इस खाद से मिट्टी उपजाऊ होती है और मिट्टी में भी लंबे समय तक नमी बनी रहती है।

क्या होती है वर्मीकंपोस्ट?

वर्मीकंपोस्ट केंचुओं की मदद से तैयार की जाने वाली ऑर्गेनिक खाद है। केंचुए सूखे पत्तों, सब्जियों के छिलकों और दूसरे जैविक कचरे को खाकर उसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद में बदल देते हैं। यह खाद दिखने में भुरभुरी और डार्क ब्राउन या काले रंग की होती है। इसमें पौधों के लिए जरूरी कई पोषक तत्व पाए जाते हैं।

गोबर की खाद और वर्मीकंपोस्ट में क्या है अंतर?

गोबर की खाद वर्मीकंपोस्ट मिट्टी की क्वालिटी सुधारने में ज्यादा मदद करती है। पौधों को पोषक तत्व जल्दी देती है। पोषक तत्व धीरे-धीरे छोड़ती है। गमलों और किचन गार्डन के लिए बहुत अच्छी रहती है। बड़े पौधों और जमीन की तैयारी के लिए अच्छी मानी जाती है। नई पत्तियां, फूल और सब्जियों की ग्रोथ में मदद करती है।



फूल वाले पौधों के लिए कौन-सी बेहतर?

अगर आपने गार्डन में गुलाब, गेंदा, गुड़हल, मोगरा या दूसरे फूल वाले पौधे लगा रखें हैं तो इनके लिए वर्मीकंपोस्ट काफी अच्छा रहेगा। वहीं, अगर मिट्टी उपजाऊ नहीं है तो पहले उसमें गोबर की अच्छी तरह सड़ी हुई खाद मिला सकती हैं। इसके बाद समय-समय पर थोड़ी मात्रा में वर्मीकंपोस्ट डाल सकती हैं।

सब्जियों के पौधों में क्या डालें?

टमाटर, मिर्च, बैंगन, धनिया, पालक और दूसरी सब्जियों के लिए दोनों ही खाद का साथ में इस्तेमाल करना अच्छा रहता है। मिट्टी तैयार करते समय गोबर की खाद मिला दें और पौधों की जब ग्रोथ हो तो हर 20 से 30 दिन में थोड़ा-थोड़ा वर्मीकंपोस्ट डाल सकती हैं।

गमलों के लिए कौन-सी खाद बेहतर है?

अगर आप बालकनी या छत पर गार्डनिंग करती हैं, तो आपके लिए वर्मीकंपोस्ट ज्यादा सही रहेगा। यह हल्की होती है, कम मात्रा में भी अच्छा असर भी दिखाती है और गमले की मिट्टी को भी पौधों के लिए अच्छा बनाती है।

कितनी मात्रा में दोनों खाद का इस्तेमाल करें?

अगर आप इन दोनों खाद का इस्तेमाल करती हैं, तो इनकी मात्रा के बारे में भी जान लेना चाहिए। जब सही मात्रा में खाद का इस्तेमाल करेंगी तो पौधों को भी अच्छा फायदा मिलेगा।

गोबर की खाद : गमले के आकार के अनुसार हर 45 से 60 दिन में 1 से 2 मुट्ठी।

वर्मीकंपोस्ट : हर 20 से 30 दिन में 1 से 2 मुट्ठी (गमले के आकार के अनुसार)।

खाद डालने के बाद हल्की गुड़ाई करें और थोड़ा पानी भी जरूर दें।

आखिर कौन-सी खाद है सबसे बेस्ट?

अगर सिर्फ एक खाद चुननी हो, तो गमलों और घर की गार्डनिंग के लिए वर्मीकंपोस्ट ज्यादा सही रीहेगी, लेकिन अगर आप मिट्टी को उपजाऊ या उसकी सेहत सुधारना चाहती हैं तो अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद भी उतनी ही जरूरी है।

अब बाजार से पालक लाने का झंझट खत्म, गमले में इन तरीकों से फैलेगी हरी सब्जी



सर्दियों की शुरुआत होते ही बाजार में हरी सब्जियों की भरमार देखने को मिलती है। इस बार पालक लेने के लिए आपको मार्केट के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं हम आपको कुछ ऐसे आसान टिप्स बताने जा रहे हैं जिनके जरिए आप गमले में पालक उगा सकते हैं। अगर आप पालक खाने की शौकीन हैं तो ये खबर आपके मतलब की है। आजकल मार्केट में पालक खूब बिक रही है, लेकिन उसमें कीड़े होने या खराब होने की आशंका बनी रहती है। पालक बाजार से खरीदने की बजाय आप आसानी से अपनी बालकनी में रखे गमले और टब या छत पर बनी क्यारी में उगा सकते हैं। गार्डनिंग एक्सपर्ट और फरीदाबाद हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट के अधिकारी रमन शर्मा ने अब पालक को गमले में उगाना सबसे आसान तरीका बताया है। इसकी सबसे अच्छी बात है कि ताजी पत्तियां सिर्फ 21 दिनों में तोड़ने के लिए तैयार हो जाती हैं। यह न केवल आपके घर की सुंदरता बढ़ाती है, बल्कि यह सुनिश्चित करती है कि आपके भोजन में शामिल होने वाली पालक पोषण से भरपूर हो।

सबसे पहले उगाएं बीज

गमले में हरा-भरा पालक कैसे फैले? इसके लिए बेहद जरूरी चीज है इसका बीज। पालक का बीज जल्दी उग जाए, इसके लिए सबसे पहले एक काम करें, देसी पालक के बीज लें और उन्हें पानी में भिगो दें। भीगे हुए बीजों को एक डिब्बे में बंद कर 24 घंटे के लिए घर के अंदर या बाहर कहीं भी छोड़ दें। ऐसा करने से बीज की ऊपर की सख्त परत नरम हो जाती है। इसका असर उगाने के दौरान देखने को मिलेगा। जब आप इसे मिट्टी में डालेंगे, तो जल्दी से अंकुरित होगा और पौधा तेजी से बढ़ेगा।

कैसी हो मिट्टी?

पालक को बढ़ने के लिए खास तरह की मिट्टी की जरूरत होती है, जो उसे भरपूर पोषण दे। आपको मिट्टी तैयार करने के लिए करीब 60त्न गार्डन की साधारण मिट्टी लेनी होगी। 40त्न वर्मीकंपोस्ट मिलाएं। वर्मीकंपोस्ट खाद का काम करेगी, जिससे पालक की पत्तियां खूब हरी और बड़ी होंगी। इसके बाद पालक को उगाने के लिए चौड़ा गमला लें, क्योंकि इसकी जड़ें गहरी नहीं जातीं। अब मिक्सचर को गमले में भर दें। यहां पर पहले से तैयार किए हुए बीजों को चारों तरफ अच्छे से छिड़क दें। छिड़कने के बाद, ऊपर से मिट्टी की एक पतली परत डाल दें। अब हल्के हाथ से पानी छिड़कें। ध्यान रहे, पानी बहुत तेजी के साथ नहीं डालें, वरना बीज हिल जाएंगे। मिट्टी में हल्की नमी बनी रहनी जरूरी है। इसके बाद थोड़ा इंतजार करें, अगर सब कुछ सही रहा, तो सिर्फ 21 दिनों में पालक आपको मिलनी शुरू हो जाएगी। पालक का पौधा घना हो जाए, कुछ पत्तियां 21 दिन में ही तोड़ लेनी चाहिए। ऐसा करने से बचे हुए पौधों को बढ़ने के लिए ज्यादा जगह और धूप मिलती है। पालक लंबाई में बढ़ता है और उसकी पत्तियां बड़ी होती हैं। शुरुआत में, आप छोटे पत्तों को जड़ से हटा दें।

इस तरह करें कटाई

पालक को एक बार लगाने के बाद आप इसे बार-बार काट सकते हैं। यहां एक बात का ध्यान रखें कि जब पालक की पत्तियां बड़ी हो जाएं, तो उन्हें जड़ से खींचने के बजाय काट लें। पत्तियों को पौधे के नीचे से करीबन 1 इंच ऊपर से काटें। ऐसा करने से पौधा फिर से उगना शुरू कर देता है। कटाई के बाद थोड़ा पानी और थोड़ी खाद डाल दें।

गमले में गेंदे का पौधा बनेगा फूलों का गुलदस्ता, जानें बड़े और घने फूल पाने का तरीका

गमले में गेंदे का पौधा उगाना आसान है, लेकिन सही देखभाल न मिलने पर पौधा घना नहीं होता और फूलों का आकार भी छोटा रह जाता है। कुछ आसान गार्डनिंग टिप्स, सही मिट्टी, पर्याप्त धूप, समय पर खाद-पानी और नियमित छंटाई की मदद से आप गेंदे के पौधे को हरा-भरा, घना और ढेर सारे बड़े-बड़े फूलों से लदा बना सकती हैं। गेंदे का फूल पवित्रता के साथ ही शुभता का भी प्रतीक है। घरों में पूजा- पाठ से लेकर कई आयोजनों में इसका खूब इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि गेंदे का फूल भारतीय बागवानी सबसे अहम है, जो अक्सर लोगों के घरों में देखने को मिलता है। यह अपने चमकीले नारंगी और पीले रंगों से हर आंगन या बालकनी अट्रैक्टिव बनाता है। हालांकि, कई महिलाओं को शिकायत होती है कि गेंदे के पौधे घने नहीं होते, या फूलों का साइज छोटा रह जाता है।आइए जानते हैं कि कैसे गमले में उगाए गेंदे के फूल को शानदार और घना बनाएं?

जानें क्या कहते हैं गार्डनिंग एक्सपर्ट?

एनसीआर में अधिकतर लोगों ने अपने घरों की छतों पर गेंदे के फूल उगाए हैं, लेकिन इसे उगाने के दौरान एक जैसी दिक्कत यहां देखने को मिल रही है। ऐसे में हमने गार्डनिंग एक्सपर्ट्स कबीर वाही से ये जानने की कोशिश की कैसे हम गमले को गेंदे के फूलों से भर दें। गार्डनिंग एक्सपर्ट्स का कहना है कि गेंदे के पौधे को भरपूर फूल देने के लिए खास पोषण की जरूरत होती है, खासकर फॉस्फोरस और पोटाश की। आप चाहें तो कम समय में आसान और असरदार लिक्विड फर्टिलाइजर बना सकते हैं, जो गमलों को नारंगी फूलों से भर देगा। इतना ही नहीं उनके साइज को भी बढ़ाएगा।





ऐसे तैयार करें लिक्विड फर्टिलाइज

गार्डनिंग एक्सपर्ट्स के अनुसार, लिक्विड फर्टिलाइजर बनाने के लिए आपको एक घोल तैयार करना होगा। घोल के लिए ष्ठक्क और पोटाश की जरूरत होगी, जो आपको नर्सरी पर आराम से मिल जाएंगी। ष्ठक्कसे गेंदे की जड़ें और कलियां मजबूत होती हैं, जबकि पोटाश फूलों की रंगत और उनके आकार को बढ़ाता है। आधा लीटर सादा पानी लें, इसमें सावधानी से 3 से 4 ग्राम DAP जो लगभग एक छोटा चम्मच होता है। इसके साथ ही, एक बड़ा चम्मच पोटाश मिलाएं।इन दोनों चीजों को पानी में अच्छी तरह से मिलाने के बाद, घोल को छांव वाली जगह पर एक घंटे के लिए छोड़ दें। इससे यह सुनिश्चित होगा कि दोनों पोषक तत्व पानी में पूरी तरह से घुल जाएं और पौधे के लिए आसानी से अवशोषित होने लायक बन जाएं।

गेंदे के गमले की मिट्टी को तैयार करें

किसी भी लिक्विड खाद को डालने से पहले, गेंदे के गमले की मिट्टी को तैयार करना जरूरी है ताकि वह पोषण को अच्छी तरह से सोख सके। जब आपका घोल भीग रहा हो, तब किसी छोटे औजार की मदद से मिट्टी की ऊपरी सतह की हल्की गुड़ाई करें। इससे मिट्टी भुरभुरी हो जाती है और उसमें हवा का संचार बढ़ जाता है। गेंदे के पौधे पर से सभी सूखे हुए फूल, पत्तियां या पीली टहनियां हटा दें। शुरुआती दौर में, इस घोल का इस्तेमाल हर 15 से 20 दिन में एक बार कर सकते हैं। जब आपको लगे कि फूल कम हो रहे हैं या पत्ते पीले पड़ने लगे हैं, तो यह सही समय है जब पौधे को इस पोषक तत्व की जरूरत है।

कम मेहनत, ज्यादा हरियाली! घर पर कम रखरखाव वाला बगीचा बनाने का आसान तरीका

कम मेहनत, ज्यादा हरियाली! घर पर कम रखरखाव वाला बगीचा बनाने का आसान तरीका व्यस्त जीवनशैली में भी घर पर हरा-भरा गार्डन बनाना अब आसान है। सही पौधों, गमलों और स्मार्ट ट्रिक्स से आप बिना अपने घर की बालकनी या खिड़की के पास हर कोई हरा-भरा और सुंदर गार्डन देखना चाहता है, लेकिन आज की व्यस्त जीवनशैली में पौधों की देखभाल करना हर किसी के लिए मुमकिन नहीं। काम, परिवार और रोजमर्रा की भागदौड़ के बीच अगर पौधे सूखने लगें, तो मन उदास हो जाता है। अगर आप भी बिना ज्यादा मेहनत किए घर पर एक खूबसूरत और हरा-भरा गार्डन तैयार करना चाहते हैं, तो यह गाइड आपके लिए बेहद काम की है। जानते हैं इनके बारे में...

बालकनी या स्पेस की सही प्लानिंग

किसी भी पौधे को खरीदने या लगाने से पहले अपनी जगह और वहां आने वाली धूप का सही आकलन करना बहुत जरूरी है। धूप की जांच करें : अगर आपकी बालकनी में 5 घंटे से ज्यादा सीधी धूप आती है, तो वहां तेज धूप सहने वाले पौधे लगाएं। अगर सुबह की धूप आती है, तो शेड पसंद करने वाले पौधे बेहतर रहेंगे। जगह की माप : छोटी बालकनी के लिए दीवारों और रेलिंग का इस्तेमाल करें, ताकि कम जगह में ज्यादा हरियाली मिल सके।

किन पौधों को देखभाल कम पड़ती है जरूरत?

लो-मेंटेनेंस गार्डन के लिए ऐसे पौधों का चुनाव करें जो सख्त हों और जिन्हें रोजाना पानी की जरूरत न पड़े। पौधे का नाम धूप की जरूरत क्यों है आसान? मनी प्लांट कम या हल्की रोशनी पानी या मिट्टी दोनों में आसानी से पनपता स्नेक प्लांट कम रोशनी हफ्ते में सिर्फ एक बार पानी, कभी नहीं मरता एलोवेरा तेज धूप हर 7 से 10 दिन में पानी देने पर भी रहता है हरा-भरा तुलसी तेज धूप तेजी से बढ़ती है और बहुत कम देखरेख गेंदा (Marigold) तेज धूप महीनों तक फूल देता है और मेहनत न के बराबर सही गमले और मिट्टी का चुनाव कम मेहनत वाले गार्डन के लिए ऐसे गमले चुनें जो नमी को लंबे समय तक बनाए रखें।



सेल्फ-वाटरिंग पॉट्स : इनमें नीचे पानी का रिजर्वॉयर होता है, जिससे पौधे खुद जरूरत के हिसाब से पानी खींचते हैं। इससे रोज-रोज पानी देने की झंझट खत्म हो जाती है।

मिट्टी का सही मिश्रण : मिट्टी तैयार करते समय 50त्न कोकोपीट (नमी बनाए रखने के लिए), 25त्न वर्मीकंपोस्ट (खाद) और 20 प्रतिशत पर्लाइट (ड्रेनेज के लिए) मिलाएं। यह मिश्रण पौधों की जड़ों को सड़ने से बचाता है।

ड्रिप इरिगेशन और खाद का आसान तरीका

गार्डन को पूरी तरह ऑटोमैटिक और आसान बनाने के लिए कुछ स्मार्ट तरीके अपनाएं-

ड्रिप इरिगेशन टाइमर : बाजार में मिलने वाले छोटे टाइमर किट की मदद से ये तय समय पर पौधों में खुद-ब-खुद पानी दे सकते हैं। इससे सफर के दौरान भी पौधों के सूखने का डर नहीं रहता।

धीमी गति से घुलने वाली खाद : मिट्टी में नीम की खली और वर्मीकंपोस्ट मिलाने से पौधों को हफ्तों तक पोषण मिलता रहता है और कीड़े भी दूर रहते हैं।

नीम ऑयल स्प्रे : हफ्ते में एक बार पानी में नीम का तेल मिलाकर स्प्रे करने से पौधों पर कीड़े या फंगस नहीं लगते।

निष्कर्ष

बिना ज्यादा मेहनत के घर पर एक शानदार और हरा-भरा गार्डन तैयार करना अब बेहद आसान है। बस सही पौधों का चुनाव करें, सेल्फ-वाटरिंग गमलों का इस्तेमाल करें और समय बचाने वाले स्मार्ट ट्रिक्स अपनाएं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 18 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

ब्रेक्जिट ने किया ब्रिटेन को नुकसान, ईयू से घनिष्ठ संबंध अपरिहार्य : पीएम बर्नहैम



लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने स्वीकार किया कि यूरोपीय संघ (ईयू) से अलग होने यानी ब्रेक्जिट से देश को अपेक्षित लाभ नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में बढ़ती अलगाववादी प्रवृत्तियों से निपटने के लिए ब्रिटेन को यूरोपीय संघ के साथ कहीं अधिक घनिष्ठ संबंध बनाने की जरुरत है। अपने संबोधन के दौरान, पीएम बर्नहैम ने ब्रेक्जिट के परिणामों की तुलना हंस क्रिश्चियन एंडरसन की प्रसिद्ध परी कथा द एम्परर्स न्यू क्लोथ्स से की। इस कहानी में कोई भी राजा को यह बताने की हिम्मत नहीं करता कि वह वास्तव में निर्वस्त्र है। पीएम बर्नहैम ने कहा, हमें जिस तरह का ब्रेक्जिट मिला, वह कारगर साबित नहीं हुआ। हमने जितना हासिल किया, उससे कहीं अधिक गंवा दिया है। उन्होंने पिछले एक दशक की राजनीतिक उथल-पुथल को पीछे छोड़ते हुए कहा कि ब्रिटेन अब विश्व मंच पर वापसी कर रहा है। राजनीतिक अस्थिरता के कारण 2016 के बाद से ब्रिटेन में सात प्रधानमंत्री बदल चुके हैं, और बर्नहैम सातवें हैं। उन्होंने जोर दिया कि ब्रेक्जिट दुनिया भर में अलगाववाद और संरक्षणवाद की बढ़ती प्रवृत्ति की शुरुआत थी, जिसका फायदा विरोधियों ने उठाया। उन्होंने कहा, रूस चाहता था कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में फूट पड़े और यूरोप कमजोर हो, और ब्रेक्जिट ने इस प्रवृत्ति को बल दिया। बर्नहैम ने कहा कि 2016 के बाद के अपने अनुभवों के कारण ब्रिटेन अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए दौर में नेतृत्व करने में सक्षम है। बर्नहैम का यह बयान ब्रसेल्स में होने वाले ब्रिटेन-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन से ठीक पहले आया है। यह सम्मेलन 27 देशों वाले यूरोपीय संघ के साथ संबंधों को नए सिरे से मजबूत करने की उनकी प्रतिबद्धता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह शिखर सम्मेलन ब्रिटेन के यूरोपीय संघ से अलग होने के पक्ष में मतदान करने के एक दशक बाद और 2020 में औपचारिक रूप से उससे अलग होने के छह साल बाद हो रहा है। इस शिखर सम्मेलन में खाद्य पदार्थों और पेय पदार्थों के व्यापार से संबंधित समझौते, ऊर्जा एवं उत्सर्जन व्यापार संबंधी समझौतों और ब्रिटेन तथा यूरोपीय संघ के देशों में युवाओं को सीमित अवधि के लिए काम करने की अनुमति देने की योजनाओं को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया कि ब्रेक्जिट के समर्थन में चलाए गए अभियान के दौरान ब्रिटेन की सीमाओं, कानूनों और अर्थव्यवस्था पर फिर से नियंत्रण हासिल करने का जो वादा किया गया था, वह अधूरा रह गया। उन्होंने बताया कि यूरोपीय संघ के देशों के साथ ब्रिटेन के व्यापार में भारी गिरावट आई है, और अनुमान है कि ब्रेक्जिट से देश को हुआ आर्थिक नुकसान उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के चार से आठ प्रतिशत के बराबर है।



कंबोडिया में राजा नोरोडम सिहामोनी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुअल मैक्रोन एक रिबिन काटकर वेस्ट मेबलोन टैंपल का उद्घाटन करते हुए। कंबोडिया ने एक हजार साल पुराने मेबलोने टेंपल का सोमवार को उद्घाटन किया, ये यूनेसको की सूची में शामिल है। इसी के साथ ही यहां 14 साल से जारी काम का समापन हुा।

अमेरिका में विमान सेवाएं ठप, ट्रंप ने बाइडन और पुरानी व्यवस्था पर मढ़ा दोष

कहा- आपने जो देखा, वह बहुत पुराने उपकरणों की खराबी का नतीजा था

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका में पिछले सप्ताह एक तकनीकी खराबी के कारण हजारों उड़ानों के अस्थाई तौर पर रुक जाने की घटना पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। ट्रंप ने इस गड़बड़ी के लिए पिछली डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं, विशेष रूप से अपने पूर्ववर्ती राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन और दशकों पुरानी प्रौद्योगिकी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने उन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि वह व्हाइट हाउस में चल रहे निर्माण और मरम्मत कार्यों पर अधिक ध्यान दे रहे थे, बजाय देशव्यापी हवाई सेवा संकट के। शुक्रवार को देशभर में विमानों के प्रस्थान रोके जाने संबंधी घटना पर ट्रंप ने साफ कहा, मैं इसकी कोई जिम्मेदारी नहीं लेता। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले की जिम्मेदारी उनके परिवहन मंत्री शॉन डफी की है। ट्रंप ने स्थिति का वर्णन करते हुए कहा, शुक्रवार को आपने जो देखा, वह बहुत पुराने उपकरणों की खराबी का नतीजा था। ऐसा लगा मानो उन उपकरणों को दिल का दौरा पड़ गया हो। अच्छी बात यह रही कि सभी लोग सुरक्षित रहे, कोई घायल नहीं हुआ और कोई विमान दुर्घटना नहीं हुई। उन्होंने अपनी सरकार द्वारा हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली को आधुनिक बनाने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए पिछली सरकारों को इस दिशा में 40 वर्षों से काम न करने के लिए जिम्मेदार ठहराया। ट्रंप का यह आरोप ऐसे समय में आया है जब डेमोक्रेटिक पार्टी ने जनवरी में कांग्रेस का नियंत्रण संभाला है, जिससे उनके प्रशासन के कामकाज की जांच और निगरानी बढ़ने की आशंका है। हालांकि, अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) की पुराने उपकरणों से जुड़ी समस्याएं कई दशकों से बनी हुई हैं और ये ट्रंप के पहले कार्यकाल से भी काफी पुरानी हैं। हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली को आधुनिक बनाने के पिछले प्रयास, जैसे कि 2003 में शुरू की गई नेक्स्टजेन परियोजना, जिस पर 15 अरब डॉलर से अधिक खर्च किए गए, पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं। इस घटना के लिए ट्रंप द्वारा पिछली सरकार को जिम्मेदार ठहराने और डेमोक्रेटिक सांसदों की ओर से मौजूदा प्रशासन पर सवाल उठाए जाने से अमेरिका में राजनीतिक मतभेद और गहराने की आशंका है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में माइक्रोसॉफ्ट और एयरलाइंस के बाद अब बैंकों में तकनीकी गड़बड़ी

वाशिंगटन। अमेरिका में एक सप्ताह के भीतर यह तीसरी बड़ी तकनीकी समस्या सामने आई है, इस समस्या ने अब देश के प्रमुख बैंकिंग सिस्टम को भी अपनी चपेट में ले लिया है। बैंक ऑफ अमेरिका, चेज, जेपी मॉर्गन, यूएस बैंक, वेल्स फार्गो और जेला सहित कई बड़े बैंकों के ग्राहक अपने ऑनलाइन खातों तक पहुँचने और लेनदेन करने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ग्राहकों को ऑनलाइन सेवाओं में आ रही परेशानियों को लेकर लगातार रिपोर्टें मिल रही हैं। उन्हें ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और बैंक अकाउंट एक्सेस करने में बाधा आ रही है। शुरुआती रिपोर्टों में समस्या का कारण एक तकनीकी गड़बड़ी बताया गया है। चेज बैंक ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी सेवाओं में आई यह दिक्कत एक तकनीकी खराबी की वजह से है और इसका किसी साइबर हमले से कोई संबंध नहीं है, जैसा कि शुरुआत में कई लोगों ने आशंका जताई थी। चेज बैंक के प्रवक्ता ने बताया कि तकनीकी समस्या के कारण कुछ लेनदेन पूरे होने में सामान्य से अधिक समय लग रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि बैंक इस समस्या को जल्द से जल्द ठीक करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। कई ग्राहकों ने सोशल मीडिया पर अपनी परेशानी साझा की है, जिसमें वे बता रहे हैं कि उन्हें बैंकिंग सेवाएँ एक्सेस करते समय कुछ बैंकिंग सेवाएँ फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं जैसा एरर मैसेज दिख रहा है। यह अमेरिका में एक सप्ताह के अंदर तीसरी बड़ी तकनीकी परेशानी है। इससे पहले, माइक्रोसॉफ्ट में एक बड़ा आउटेज हुआ था। इसके ठीक बाद, अमेरिका की एयरलाइंस के कम्युनिकेशन सिस्टम ठप होने के कारण कुछ समय के लिए सभी उड़ानों को रोकना पड़ा था। अब बैंकिंग सिस्टम का इस तरह प्रभावित होना देश की डिजिटल बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर रहा है।

ग्वाटेमाला में नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़ी हिंसा पर रोक लगाने आपातकाल लागू

वाशिंगटन। मध्य अमेरिकी देश ग्वाटेमाला में नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़ी हिंसा पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रपति बर्नार्डो अरेवालो ने 30 दिनों की आपातकालीन स्थिति घोषित किए जाने के बाद गृह और रक्षा मंत्रियों ने सुरक्षा अभियानों का निरीक्षण किया। शनिवार को घोषित इस आदेश के तहत 30 दिनों के लिए कई संवैधानिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया है। इनमें लोगों की आवाजाही और सभा करने की स्वतंत्रता भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस आदेश से सुरक्षा बलों को बल प्रयोग करके भीड़ को तितर-बितर करने, लोगों को गिरफ्तार करने और बिना वारंट घरों में प्रवेश करने का अधिकार मिल गया है। गृह मंत्री मार्को एंटोनियो विलेडा ने कहा है कि इस आपातकालीन कदम का उद्देश्य उन समूहों पर भी कार्रवाई करना है, जिनके नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े होने का शक है और जो इस क्षेत्र में जेड और सोने के अवैध खनन में शामिल हैं। विलेडा ने कहा कि हम रक्षा मंत्रालय और सरकारी अभियोजक कार्यालय के साथ मिलकर कई योजनाबद्ध और समन्वित कार्रवाइयां कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास एक योजना है, जिसे अगले 30 दिनों में लागू किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि अधिकारी होंडुरास की सीमा से लगी सड़कों पर जांच चौकियां स्थापित करके और गश्त बढ़ाकर क्षेत्र पर नियंत्रण स्थापित कर रहे हैं। ग्वाटेमाला का पूर्वी क्षेत्र पिछले तीन महीनों से लगातार हिंसक घटनाओं का सामना कर रहा है। 27 सितंबर को हुइते नगरपालिका क्षेत्र में हुए एक सशस्त्र हमले में आठ लोगों की मौत हो गई थी। शुरुआत में सेना ने दावा किया था कि यह हमला संगठित अपराध से जुड़े समूहों के बीच हुई झड़प का परिणाम था। कुछ दिनों बाद सेना ने बताया कि इस हत्याकांड में सैन्यकर्मियों की संभावित भूमिका की जांच के लिए 107 सैनिकों को अधिकारियों के समक्ष पेश किया गया। इस घटना में एक बच्ची समेत तीन महिलाओं की मौत हुई थी। अभियोजक कार्यालय इस बात की जांच कर रहा है कि क्या सेना की कार्रवाई का संबंध संदिग्ध नशीले पदार्थों के तस्करों की गिरफ्तारी से था।

नेतन्याहू की बढ़ी मुश्किलें, अरब नेता अहमद तिबी बने संसद के डिप्टी स्पीकर

येरुशलम। इज़राइल में कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी खेमे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इज़राइली संसद के एक अरब सदस्य और जॉइंट लिस्ट गठबंधन के अध्यक्ष अहमद तिबी को संसद का डिप्टी स्पीकर चुन लिया गया। नेसेट के सदस्यों द्वारा चुने जाने के बाद अहमद तिबी ने इसे 27 अक्टूबर के चुनाव में अपने गठबंधन की उपलब्धि बताया। तिबी ने आरोप लगाया कि बेंजामिन नेतन्याहू की लिकुड पार्टी और राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्विर ने उनके चुनाव को रोकने की पूरी कोशिशें की थीं, लेकिन तमाम भड़काऊ बयानों के बावजूद वे नाकाम रहे। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अब संसद की सभी समितियों में जॉइंट लिस्ट का प्रतिनिधित्व होगा। पिछले महीने हुए आम चुनाव में इज़राइल के फिलिस्तीनी नागरिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले दो प्रमुख गुटों जॉइंट लिस्ट और यूनाइटेड अरब लिस्ट ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 120 सदस्य संसद में कुल 19 सीटों पर जीत दर्ज की है। राष्ट्रपति इसाक हरज़ोग ने इस महीने अगली सरकार बनाने की जिम्मेदारी सौंपी जाने के बाद इन अरब दलों ने विपक्षी नेता गादी आइजनकोट को अपना समर्थन दिया है।

चीनी इलेक्ट्रिक विमान ने सिर्फ 60 किमी की उड़ान भरी

बीजिंग।चीन ने विमानन उद्योग में एक बड़ी छलांग लगाने का दावा करते हुए अपने पहले इलेक्ट्रिक विमान का अनावरण किया है, जो वैश्विक स्तर पर सुर्खियां बटोर रहा है। अब तक इलेक्ट्रिक कार, बस और ट्रेन तो मौजूद थीं, लेकिन चीन ने जिस इलेक्ट्रिक विमान को हवा में उड़ाया है, उसे लेकर दावा किया गया है कि यह 19 यात्रियों को लेकर जा सकता है और सिंगल चार्ज में 400 किलोमीटर तक की उड़ान भरने में सक्षम होगा। यह घोषणा अपने आप में क्रांतिकारी लगती है, लेकिन प्रारंभिक परीक्षणों ने कंपनी के इन दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल, चीनी कंपनी कॉमेक द्वारा विकसित इस 19 सीटों वाले इलेक्ट्रिक विमान का नाम सीई-25ए है, जिसका वजन 10 टन बताया गया है।

ट्रंप की दोषसिद्धि पर संघीय अपीलीय अदालत में सुनवाई पूरी, क्या होगी सजा?

वाशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय अपीलीय अदालत इस बात पर विचार कर रही है कि क्या वह गोपनीयता बनाए रखने के बदले धन देने को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ दर्ज मामले में हस्तक्षेप कर सकती है जब न्यूयॉर्क की एक राज्य अपीलीय अदालत इस मामले में ट्रंप की दोषसिद्धि को रद्द करने की अपील पर दलीलें सुन चुकी है। ट्रंप को व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 गंभीर आपराधिक आरोपों में मई 2024 में दोषी ठहराया गया था। उन पर अभिनेत्री स्टॉर्मी डेनियल्स को दिए गए 1,30,000 अमेरिकी डॉलर के भुगतान को छिपाने के लिए रिकॉर्ड में हेराफेरी करने का आरोप है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका की 'सेकंड सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स' के तीन न्यायाधीशों की पीठ ने ट्रंप के वकील और एक सरकारी अभियोजक से सवाल पूछे। यह सुनवाई मामले को राज्य की अदालत से संघीय अदालत में स्थानांतरित कराने के ट्रंप के हालिया प्रयास से जुड़ी है। संघीय अदालत में राष्ट्रपति ट्रंप को मिलने वाली कानूनी छूट के आधार पर मामला खारिज करने का अनुरोध कर सकते हैं। कोर्ट ने इस संबंध में कोई फैसला नहीं सुनाया। दोनों पक्ष 11 दिन में दूसरी बार कोर्ट में पेश हुए। ट्रंप अपनी दोषसिद्धि रद्द कराने के लिए दो स्तरों पर कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। रिपब्लिकन पार्टी के नेता ट्रंप ने संघीय अदालत में कानूनी लड़ाई लड़ने के साथ न्यूयॉर्क की राज्य अदालतों में भी सामान्य अपील प्रक्रिया के तहत अपनी दोषसिद्धि को चुनौती दी है। इस सिलसिले में 5 नवंबर को राज्य की मध्यवर्ती अपीलीय अदालत 'अपीलेट डिवीजन' में दलीलें पेश की गई थीं। उस अदालत ने अभी फैसला नहीं सुनाया है। इस मामले का परिणाम चाहे जो भी हो, ट्रंप का नाम इससे हमेशा जुड़ा रहेगा। जब इस मामले की सुनवाई शुरू हुई थी, तब ट्रंप दोबारा राष्ट्रपति बनने के लिए चुनाव प्रचार कर रहे थे। ट्रंप अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार करते रहे हैं और उन्हें इस मामले में कोई सजा नहीं दी गई थी।

जेफरी एपस्टीन की मौत आत्महत्या नहीं हत्या थी

वॉशिंगटन। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की जेल में हुई मौत के मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। एक जाने-माने फॉरेंसिक विशेषज्ञ ने दावा किया है कि एपस्टीन की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या का नतीजा थी। इस नए दावे ने 2019 के आधिकारिक फैसले पर एक बार फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। फॉरेंसिक विशेषज्ञ प्रोफेसर माइकल फ्रीमैन ने हाल ही में दिए एक विशेष इंटरव्यू में ये सनसनीखेज बात कही है। फ्रीमैन ने बताया कि उन्होंने न्यूयॉर्क शहर के मेडिकल एग्जामिनर की फाइलों और पोस्टमार्टम रिकॉर्ड्स की गहन समीक्षा की है। इस विस्तृत जांच के बाद उनका मानना है कि एपस्टीन की गला घोंटकर हत्या की गई थी और ये हमला पीछे से किया गया था। प्रोफेसर फ्रीमैन ने सोमवार शाम लंदन में अपने इस रिसर्च के नतीजों को पेश किया और अपने शोध के साथ न्यूयॉर्क सिटी मेडिकल परीक्षक की संबंधित फाइलों को सार्वजनिक रूप से प्रकाशित भी कर दिया है। यह नया दावा 2019 में एपस्टीन का पोस्टमार्टम करने वाले मेडिकल टेस्ट के निष्कर्षों के बिल्कुल विपरीत है। उस समय की रिपोर्ट में इसे आत्महत्या करार दिया गया था। रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया था कि एपस्टीन के शरीर पर मिले चोट के निशान आत्महत्या से मेल खाते हैं और ऐसे किसी बचाव के घाव के सबूत नहीं मिले थे, जो किसी हत्या की स्थिति में आमतौर पर पाए जाते हैं। उस समय की मेडिकल परीक्षक डॉ. बारबरा सैम्पसन ने इस मौत को आत्महत्या घोषित किया था। उन्होंने पहले अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा था कि वह एपस्टीन की मौत के कारण और तरीके के उनके निर्धारण के पीछे दृढ़ता से खड़ी हैं। जेफरी एपस्टीन को 10 अगस्त 2019 को न्यूयॉर्क की एक जेल में मृत पाया गया था। उस समय वह सेक्स ट्रैफिकिंग के गंभीर आरोपों में मुकदमे का सामना करने का इंतजार कर रहा था। उनकी मौत के बाद से ही इसके इर्द-गिर्द कई साजिशों और अनिश्चितताओं ने जन्म लिया था।

कोर्ट ने खारिज किया विदेशी छात्रों और पत्रकारों के वीजा अवधि सीमित करने का प्रस्ताव

वाशिंगटन। अमेरिका की एक संघीय कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है जिसमें विदेशी छात्रों, शोधार्थियों और पत्रकारों के देश में उनके संबंधित वीजा पर रहने की अवधि सीमित करने की बात की गई है। अमेरिका के आंतरिक सुरक्षा विभाग ने जुलाई में एक नीति का प्रस्ताव रखा था, जिसका उद्देश्य विदेशी छात्रों को संघीय सरकार की मंजूरी के बिना चार साल से ज्यादा समय तक देश में रहने से रोकना था। बोस्टन के संघीय न्यायाधीश एफ. डेनिस सेलर ने अपने फैसले में डीएचएस के प्रस्ताव को ''मनमाना, विवेकहीन, विवेकाधिकार का दुरुपयोग और कानून के विपरीत'' बताते हुए खारिज कर दिया। न्यायाधीश सेलर ने अपने फैसले में कहा कि सीधे शब्दों में कहें तो डीएचएस उस गतिविधि को रोकने या हतोत्साहित करने की कोशिश कर रहा है, जिसे संसद ने अनुमति देने और प्रोत्साहित करने का प्रयास किया। यह गतिविधि विदेशी छात्रों को अमेरिका में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है।'' उन्होंने कहा कि कानून डीएचएस को एफ-1 वीजा कार्यक्रम को कमजोर करने के लिए इतने व्यापक और असीमित अधिकार नहीं देता।

भारत और सोमालिया के बीच 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर खत्म



मोगादिशु। भारत और सोमालिया ने रविवार को मोगादिशु में 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर आयोजित हुआ। इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशीं। विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुरेश कुमार एम और सोमालिया के विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के स्थायी सचिव हमजा अदन हादू ने की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली और मोगादिशु ने शनिवार को सोमालिया की राजधानी में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत द्विपक्षीय संबंधों की नियमित समीक्षा के लिए एक व्यवस्थित तंत्र स्थापित किया गया। इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद रविवार को 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर हुआ। बयान में कहा गया है कि बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार एवं निवेश, स्वास्थ्य एवं दवा, एसएमई, विकास साझेदारी, रक्षा, सुरक्षा, वाणिज्य दूतावास संबंधी मामलों, संस्कृति और लोगों के बीच आपसी संपर्क समेत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। इसमें कहा गया कि चर्चा के दौरान क्षेत्र में समुद्री डकैती की बढ़ती घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने और जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा की। दोनों देशों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर अपने करीबी समन्वय और सहयोग की सराहना की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और सोमालिया के बीच लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत सोमालिया के शीर्ष तीन व्यापारिक साझेदारों में शामिल है। इसने कहा कि भारत एक भरोसेमंद विकास साझेदार भी है और चिकित्सा उपचार और उच्च शिक्षा के लिए सोमालिया के नागरिकों की पसंदीदा जगह है। दोनों पक्षों ने 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का अगला दौर आपसी सहमति से तय तारीख पर भारत में आयोजित करने पर सहमति जताई। यह बैठक विदेश मंत्रालय में सचिव रंगनाथन की सोमालिया यात्रा का हिस्सा थी। रिपोर्ट के मुताबिक रंगनाथन ने सोमालिया के रक्षा मंत्री अहमद मुअल्लिम फिकी से भी मुलाकात की और विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबले तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में रक्षा सहयोग मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने उपविदेश मंत्री हसन मोहम्मद अली से भी मुलाकात की। इस दौरान व्यापार, चिकित्सा सहयोग, शिक्षा, क्षमता निर्माण और क्षेत्र के हालिया भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। रंगनाथन ने मोगादिशु में भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार भारतीय प्रवासियों के कल्याण के लिए पूरा सहयोग देगी।

ईरान ने कहा लो ये गिरा दिया अमेरिका का ईगल फाइटर

तेहरान। ईरान की सरकारी मीडिया ने नवंबर 2026 में एक महत्वपूर्ण फुटेज जारी किया है, जिसमें अप्रैल 2026 के संघर्ष के दौरान अमेरिकी वायु सेना के एफ-15ई स्ट्राइक ईगल विमान को मार गिराने का दृश्य पहली बार दिखाया गया है। यह घटना 3 अप्रैल, 2026 को हुई थी। थर्मल कैमरे से लिया गया यह वीडियो विमान पर मिसाइल लगने, उसमें आग लगने, तेजी से नीचे गिरने और एक बड़े विस्फोट के साथ क्रैश होने के दृश्यों को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के ऑपरेटरों ने बाद में बताया कि उन्होंने एक घरेलू वायु रक्षा प्रणाली का उपयोग करके विमान को ट्रैक किया और फिर निशाना बनाया। ब्रिटेन के आरएएफ लेकनहीथ बेस से जुड़े 494वीं फाइटर स्क्वाड्रन का यह विमान, जिसका कॉल साइन ड्यूड 44 था, मध्य पूर्व में तैनात था। घटना ईरान के मध्य या दक्षिण-पश्चिमी इलाके में हुई, जहाँ इसे सरफेस-टू-एयर मिसाइल से निशाना बनाया गया। अमेरिका के अनुसार, यह संभवत: मैन-पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम था, जो शायद चीनी मूल का हो सकता है, जबकि ईरान इसे अपनी नई घरेलू प्रणाली बताता है।

मौत का खौफ! मेरी ब्रेन हेमरेज या हार्ट अटैक से जेल में कभी भी हो सकती है मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने जेल में अपनी जान को खतरा बताया है। उन्होंने देश की तीन शीर्ष अदालतों के न्यायाधीशों को एक पत्र लिखकर दावा किया है कि उन्हें ब्रेन हेमरेज या हार्ट अटैक से कभी भी मौत हो सकती है। इमरान ने आरोप लगाया कि उन्हें रावलपिंडी की अडियाला जेल में प्रतिदिन 22-22 घंटे एकांत में रखा जा रहा है, जिससे उनकी मानसिक और शारीरिक स्थिति लगातार बिगड़ रही है और उन्हें डर है कि वे जेल से जिंदा नहीं लौट पाएंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तीन शीर्ष अदालतों को लिखी चिट्ठी इमरान खान ने यह गंभीर चिट्ठी पाकिस्तान की फेडरल कॉन्स्टिट्यूशनल कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और इस्लामाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को भेजी है। उन्होंने इसमें अपने और अपनी पत्नी बुशरा बीबी के लिए उचित इलाज की मांग की है। तोशखाना मामले में अगस्त 2023 से जेल में बंद इमरान का कहना है कि उन्हें डर है कि वे जेल से जिंदा नहीं लौट पाएंगे। इमरान के वकील ने ये चिट्ठियां एक्स पर पोस्ट की हैं। आरोप पत्र में इमरान ने आरोप लगाया है कि उन्हें परिवार के सदस्यों और वकीलों से मिलने, बेटों से फोन पर बात करने, किताबें पढ़ने और टीवी देखने की अनुमति नहीं है। उन्होंने बताया कि इस साल उनके वकील को उनसे केवल चार बार मिलने दिया गया, जबकि बुशरा बीबी के वकील को सिर्फ एक बार। उनकी बहनों को भी उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा। हर हफ्ते पत्नी से होने वाली मुलाकात भी बिना वजह रोक दी गई है। उन्होंने लिखा कि जेल में किसी को मुझसे बात करने या जवाब देने की इजाजत नहीं है, यहां तक कि सलाम करने या कुरान की आयत पढ़ने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलती। इमरान का आरोप है कि ये पाबंदियां जानबूझकर लगाई गई हैं ताकि उनकी तबीयत और बिगड़े।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 18 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

धोनी ने आईपीएल से संन्यास लिया, अब सीएसके के मेंटर बने



चेन्नई। पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने एक खिलाड़ी के तौर पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास ले लिया है। ऐसे में अब धोनी आईपीएल 2027 में सीएसके के मेंटर की भूमिका निभाते दिखेंगे। धीनी की कप्तानी में सीएसके ने पांच बार खिताब जीता था पर पिछले कुछ समय से बढ़ती उम्र और फिटनेस धोनी के लिए परेशानी बनती जा रही थी। इसी कारण उन्हों खेल से संन्यास का फैसला लिया है। ऐस में अब वह मेंटर की भूमिका में खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करते दिखेंगे। यह बदलाव धोनी और फ्रेंचाइजी दोनों के लिए ही एक नए अध्याय की तरह है। इससे टीम के साथ उनका जुड़ाव बना रहेगा।

शांत रहते हुए रणनीतिक सूझबूझ और दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करने की क्षमता के कारण ही वह टीम को कई सफलताएं दिलाने में सफल रहे हैं। अब खिलाड़ी के तौर पर भले ही उनका सफर भले ही अब थम गया हो, लेकिन उनका अनुभव टीम के लिए मूल्यवान साबित होगा। वह अब डगआउट में बैठकर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे, युवा प्रतिभाओं को निखारेंगे और टीम की रणनीति में अहम भूमिका निभाएंगे। चेन्नई के साथ उनका रिश्ता केवल एक खिलाड़ी और फ्रेंचाइजी का नहीं रहा है, बल्कि वह टीम की पहचान बन चुके हैं। उनके फैसलों, नेतृत्व क्षमता और मैदान पर उपस्थिति से ही सीएसके को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, जिससे उनका नाम फ्रेंचाइजी के साथ हमेशा के लिए जुड़ गया है।

चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने भी धोनी की नई भूमिका को लेकर अपनी बात रखी। श्रीनिवासन ने स्पष्ट किया है कि पूर्व भारतीय कप्तान हमेशा फ्रेंचाइजी की पहचान का एक अभिन्न हिस्सा रहेंगे, चाहे उनकी मैदान पर भूमिका कुछ भी हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खिलाड़ी के तौर पर उनकी भूमिका बदल रही है, लेकिन टीम के साथ उनका जुड़ाव पहले की तरह ही अटूट बना रहेगा। धोनी के मेंटर बनने से टीम को उनके लंबे अनुभव का सीधा लाभ मिलेगा, खासकर उन युवा खिलाड़ियों को जो उनके मार्गदर्शन में खेलने और सीखने का अवसर प्राप्त करेंगे। यह टीम के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गौरतलब है कि धोनी आईपीएल 2026 में घुटने का दर्द उभरने के कारण एक भी मैच नहीं खेल पाये थे पर इसके बावजूद वह टीम के साथ मैदान पर नियमित रूप से आते थे। उनकी एक झलक पाने के लिए हजारों की संख्या में प्रशंसक स्टेडियम पहुंचते थे, जो धोनी की अपार लोकप्रियता और उनके प्रति प्रशंसकों के प्यार को दिखात है।

विलियमसन बोले, शुभमन में सीखने की है गजब भूख

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। विलियमसन के अनुसार शुभमन एक एक ऐसे खिलाड़ी है जिनमें नया सीखने की गजब भूख है। इसी कारण वह पिछले महीने ही ऑकलैंड पहुंच गए थे, जहां उन्होंने विलियमसन की मदद से कुछ दिन अभ्यास किया। विलियमसन ने शुभमन के साथ अपने संबंधों और टेस्ट सीरीज कहा कि ये काफी अच्छी रहेगी। उन्होंने शुभमन की जमकर तारीफ की जब विलियमसन से पूछा गया कि क्या शुभमन टेस्ट सीरीज से पहले उनसे बल्लेबाजी की सलाह लेते हैं, तो उन्होंने कहा, शुभमन एक बेहतरीन इंसान होने के साथ-साथ खेल के सच्चे विद्यार्थी हैं। हमारा संबंधकाफी पुराना है, हम गुजरात टाइटंस में साथ खेल चुके हैं। वे समय-समय पर बल्लेबाजी की बारीकियों पर चर्चा करने के लिए मुझसे संपर्क करते रहे हैं। एक बल्लेबाज के तौर पर अपने को बेहतर बनाने के लिए उनके अंदर गजब जुनून है। विलियमसन ने आगे कहा कि गिल लगातार खुद को बेहतर करना चाहते हैं, यही वजह है कि उनका करियर लगातार आगे बढ़ रहा है और सीखने की उनकी ललक उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है। पिछले साल इंग्लैंड दौरे पर शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया था। विलियमसन को न्यूजीलैंड में भी शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि किसी भी मेहमान टीम के लिए न्यूजीलैंड के हालात कठिन होते हैं पर इसके बाद भी शुभमन बेहतर प्रदर्शन में सफल रहेंगे। विलियमसन का यह भी मानना है कि न्यूजीलैंड की तेज हवाओं में गेंदबाजी करना बल्लेबाजी से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण होगा। उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की तारीफ करते हुए कहा, गेंदबाजों के लिए यहां चुनौती ज्यादा बड़ी होगी। मुझे उम्मीद है कि भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज सबसे ज्यादा जिम्मेदारी उठाएंगे।

18 से 20 नवंबर तक आयोजित होगी अंतरक्षेत्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। एम.पी. पॉवर मैनेजमेंट कंपनी की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद् द्वारा राज्य में कार्यरत विद्युत क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों की 2026-27 की विभिन्न अंतरक्षेत्रीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के अंतर्गत अंतरक्षेत्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 20 नवंबर को राजधानी में किया जाएगा। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग द्वारा बीएचईएल खेल मैदान में प्रातः 10 बजे किया जाएगा। वॉलीबाल प्रतियोगिता के आयोजन हेतु महाप्रबंधक (शहर) वृत्त भोपाल श्री प्रदीप सिंह चौहान को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं मुख्य महाप्रबंधक भोपाल क्षेत्र श्री बी.बी.एस.परिहार ने बताया है कि अंतरक्षेत्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता में मेजबान भोपाल रीजन सहित इन्दौर रीजन, ग्वालियर रीजन, इन्दौर रीजन, उज्जैन रीजन, रीवा रीजन, सागर रीजन, जबलपुर सेन्ट्रल आफिस, जबलपुर रीजन एवं बिरसिंगपुर पावरहाउस, अमरकंटक पावरहाउस, सारनी पावारहाउस, सिरमौर पावरहाउस तथा चचाई पावरहाउस की टीमें भाग लेंगी।

विराट ने टेस्ट से संन्यास लेकर गलती की : कपिल

चंडीगढ़ । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि विराट कोहली ने टेस्ट प्रारु से संन्यास लेकर गलती की है। कपिल के अनुसार विराट फिट होने के कारण काफी समय तक खेल सकते थे। उन्हें करीब एक दशक बाद अपने गलती का अहसास होगा क्योंकि अभी उनमें काफी क्रिकेब् बचा था। विराट का 14 साल लंबा टेस्ट करियर 123 मैचों में 9,230 रनों के साथ समाप्त हुआ। इस दौरान उनका औसत 46.85 रहा, जिसमें 30 शानदार शतक और 31 अर्धशतक शामिल थे। उनका आखिरी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेला गया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का पांचवां मुकाबला था, जिसे भारत 3-1 से हार गया था। कोहली तब टेस्ट क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने से महज 770 रन दूर रह गए थे और भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर थे। संन्यास से पहले कोहली का टेस्ट में प्रदर्शन खराब रहा था। नवंबर 2024 में पर्थ में नाबाद शतक लगाने से पहले, उन्होंने जुलाई 2023 के बाद से ही कोई टेस्ट शतक नहीं जड़ा था। उनके करियर का औसत जो कभी 55.10 तक पहुंचा था, वह पिछले दो सालों में घटकर 32.56 रह गया था, जो उनके सामान्य स्तर से काफी नीचे था। उन्होंने इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट छोड़ने का फैसला किया था।

आईपीएल में अब शमी रॉयल्स जबकि करन लखनऊ से खेलेंगे

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीए) 2027 के आगामी सत्र के लिए होने वाली नीलामी से पहले ट्रेड करार के तहत ही खिलाड़ियों की अदला-बदली हुई है। इसी के तहत ही राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच तीन खिलाड़ियों को लेकर ट्रेड हुआ है। अब अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी राजस्थान रॉयल्स की ओर से जबकि इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन लखनऊ सुपर जायंट्स से खेलेंगे। वहीं लखनऊ के स्पिनर एम. सिद्धार्थ भी राजस्थान रॉयल्स से खेलेंगे। इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल को गुजरात टाइटंस ने 4 करोड़ रुपए में अपने साथ शामिल किया है। रॉयल्स को शमी जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज के आने से लाभ होगा। शमी ने पिछले सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से 13 मैचों में 12 विकेट लिए थे। 2024 से अब तक, शमी ने पावरप्ले में 14 विकेट लिए हैं और 8.76 की इकोनॉमी से रन दिए हैं। वहीं लखनऊ को करन के रूप में एक ऐसा बहुमुखी ऑलराउंडर मिलेगा, जो बल्लेबाजी में के साथ-साथ गेंदबाजी में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। करन ने इससे पहले पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेला था। वहीं चोट के कारण वह पिछले आईपीएल में नहीं खेल पाए थे।

बेसिन रिजर्व पिच पर शुरुआत में तेज गेंदबाजों को ही सहयता मिलेगी : रचिन

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के बल्लेबाजी ऑलराउंड रचिन रविंद्र ने भारत के खिलाफ यहां गुरुवार से शुरु हो रहे मैच में पिच को लेकर अपना आंकलन पेश किया है। रचिन के अनुसार यहां बेसिन रिजर्व पिच पर शुरुआत के दिनों में तेज गेंदबाजों को सहायता मिलेगी पर समय के साथ ही बल्लेबाजी के लिए हालात अनुकूल होने लगेंगे। रविंद्र ने कहा कि न्यूजीलैंड की पिचें टेस्ट क्रिकेट के अनुसार बनी है। घास और हरियाली से भरी इन पिचों पर गेंद कितनी स्विंग, उछाल या सीम करेगी, यह देखना हमेशा ही रोमांचक होता है। रविंद्र ने बताया कि नई गेंद इस मैदान पर हमेशा खतरनाक होती है, लेकिन बेसिन रिजर्व में पिछले कुछ सालों में अच्छे स्कोर और शानदार मुकाबले देखने को मिले हैं, जिससे उम्मीद है कि विकेट हमेशा की तरह अच्छा प्रदर्शन करेगा। शुरुआती दबदबा हालांकि तेज गेंदबाजों का ही रहेगा पर समय के साथ ही स्पिनरों को भी सहायता मिलने लगेगी। कंधे की चोट के बाद आठ हफ्तों के रिहैबिलिटेशन से वापसी कर रहे रविंद्र अपनी वापसी को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि मैदान से बाहर बैठकर खिलाड़ियों को खेलते देखना निराशाजनक होता है। इसी कारण खिलाड़ी हमेशा मैदान पर रहना चाहते हैं। तीन महीने बाद अपने घरेलू मैदान वेलिंगटन में पहला मैच खेलना उनके लिए खास है। एक स्थानीय खिलाड़ी होने के नाते, रविंद्र वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व की तेज उत्तरी हवाओं से भली-भांति परिचित हैं, जो बल्लेबाजी को चुनौतीपूर्ण बना सकती हैं। उन्होंने बताया कि इन हवाओं का सामना करने के लिए बल्लेबाजों को अपने स्टांस में मामूली बदलाव करने पड़ सकते हैं, जैसे कि थोड़ा चौड़ा स्टांस या नीचे झुककर मजबूत बेस बनाना। उन्होंने कहा कि वे इन हालातों के आदी हैं और आंखों पर सीधी लगने वाली उत्तरी हवा से भी परिचित हैं।



इंडियन वेल्स में डब्यलूटीए फाइनल्स में रुस की मीरा एंड्रिवा ट्रॉफी के साथ उत्साहित होती हुई।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

वैश्विक इस्पात संकट : टाटा स्टील को दोहरी चुनौती, ब्रिटेन और नीदरलैंड से मदद की गुहार

जमशेदपुर। वैश्विक इस्पात कारोबार में जारी उथल-पुथल के बीच, टाटा स्टील ब्रिटेन और नीदरलैंड की सरकारों से सक्रिय हस्तक्षेप और वित्तीय सहायता की मांग कर रही है। कंपनी ब्रिटेन में आयातित इस्पात के बड़े भंडार से जूझ रही है, वहीं नीदरलैंड में अपने संयंत्र को हरित इस्पात उत्पादन में बदलने के लिए सरकारी मदद पर निर्भर है। इस वैश्विक संकट का मुख्य कारण चीन की तरफ से जरूरत से अधिक इस्पात की आपूर्ति को बताया जा रहा है। टाटा स्टील के एक अ?धिकारी ने बताया कि अमेरिकी और यूरोपीय संघ द्वारा व्यापार बाधाएं बढ़ाने के बाद ब्रिटेन में इस्पात का बड़ा भंडार जमा हो गया था, क्योंकि उस समय वहां आयात पर कोई प्रतिबंध नहीं था। हालांकि अब आयात बंद हो गया है, कंपनी ब्रिटेन सरकार के साथ इस मौजूदा भंडार से निपटने के लिए समर्थन पर विशेष बातचीत कर रही है। इसी के साथ, कंपनी नीदरलैंड में अपने संयंत्र को स्वच्छ इस्पात निर्माण में बदलने के लिए वहां की सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए भी बातचीत कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह हरित बदलाव सरकारी समर्थन और वित्तपोषण के बिना संभव नहीं है। उन्होंने वैश्विक इस्पात कारोबार में मौजूदा उथल-पुथल का मुख्य कारण चीन की जरूरत से ज्यादा आपूर्ति को बताया। उनके अनुसार, चीन सालाना लगभग 13 करोड़ टन तैयार इस्पात और 15 करोड़ टन अन्य इस्पात उत्पादों का निर्यात कर वैश्विक बाजारों को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है, जिससे कुल 28 करोड़ टन का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। इस स्थिति के चलते प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को अपने इस्पात उत्पादकों की सुरक्षा के लिए उपाय करने पड़े हैं।

रिमोट वर्कर के 60,000 रुपये के खर्चों ने चौंकाया, युवती खुद हैरान!

नई दिल्ली। घर से काम करने की सुविधा और लचीलापन कई युवाओं को अपनी ओर खींचता है, लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि आपके खर्चे भी कम हो जाएंगे? सोशल मीडिया पर एक 25 वर्षीय रिमोट वर्कर युवती ने अक्टूबर महीने के अपने खर्चों का ब्यौरा साझा किया है, जिसने उसे खुद भी हैरान कर दिया। उसके खर्चों का आंकड़ा 60,282 रुपये तक पहुंच गया, जबकि उसे 40-45 हजार रुपये खर्च होने का अनुमान था। युवती, जो एक रिमोट कॉर्पोरेट वर्कर होने के साथ-साथ कंटेंट क्रिएटर और फ्रीलांसर भी है, ने अपने वीडियो में अक्टूबर के खर्चों का पूरा हिसाब दिया। खर्चों में सबसे बड़ा हिस्सा इंस्टामार्ट पर 14,307 रुपये का था, जिसमें ओट्स, चिकन ब्रेस्ट और ग्रीक योगर्ट जैसी चीजें शामिल थीं। घर के खर्चों में योगदान के तौर पर उसने 15,000 रुपये दिए, जिसमें राशन, घरेलू सहायिका आदि शामिल थे। बाहर से खाना मंगाने और रेस्टोरेंट में खाने पर 5,600 रुपये, जबकि वाई-फाई, बिजली और मोबाइल बिल पर 1,841 रुपये खर्च हुए। परिवहन (रैपिडो, बाइक, पेट्रोल) पर 3,978 रुपये और खुद व मां के लिए शॉपिंग पर 7,255 रुपये खर्च किए गए। सब्सक्रिप्शन, किचन का सामान और पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स पर कुल 12,301 रुपये का खर्च आया। इस तरह कुल खर्च 60,282 रुपये रहा, जो युवती के अनुमान से 15-20 हजार रुपये अधिक था। इस घटना ने वर्क फ्रॉम होम के साथ जुड़े खर्चों के पहलू को उजागर किया है। यह कहानी डिजिटल स्किल्स वाले युवाओं के लिए फ्रीलांसिंग और कंटेंट क्रिएशन जैसे करियर विकल्पों को भी दर्शाती है, जहां आय अस्थिर हो सकती है। युवती के खर्चों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जहां कई यूजर्स ने अपने खर्चों का हिसाब न रखने की बात कही, जबकि कुछ ने इसे काफी ज्यादा बताया।

ईंधन और बिजली की कीमतों में तेजी से बढ़ी महंगाई

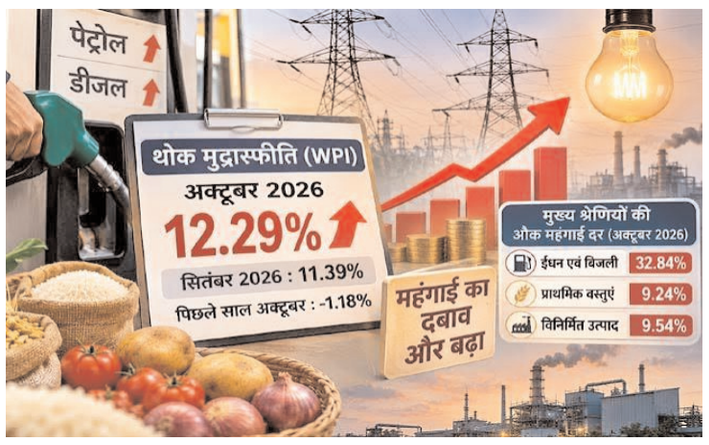

मुंबई। ईंधन और बिजली की कीमतों में तेजी के कारण देश में एक महीने के भीतर थोक कीमतों में महंगाई का स्तर और ऊपर चला गया है। अक्टूबर में थोक महंगाई दर (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 12.29 फीसदी पर पहुंच गई, जबकि सितंबर में यह 11.39 फीसदी थी। इसकी सबसे बड़ी वजह ईंधन और बिजली की कीमतों में आई तेजी को माना जा रहा है। वहीं चीजों की महंगाई में मामूली राहत भी मिली है, लेकिन कुल महंगाई के आंकड़े आम लोगों को चिंतित कर रहे हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) बढ़कर 113.3 हो गया। सितंबर में यह 112.5 था। इस सूचकांक का आधार वर्ष 2022-23 है। आंकड़े बताते हैं कि ईंधन और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों ने थोक महंगाई को ऊपर खींचने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई। अक्टूबर में ईंधन और बिजली श्रेणी की महंगाई दर बढ़कर 32.84 फीसदी हो गई, जो सितंबर में 25.85 फीसदी थी। इस श्रेणी का सूचकांक भी सितंबर के 110.5 से बढ़कर अक्टूबर में 115.7 पर पहुंच गया। खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और बिजली की कीमतों में बढ़ोतरी इसका प्रमुख कारण रही।इसके अलावा प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई दर भी बढ़ी है। सितंबर में यह 8.67 फीसदी थी, जो अक्टूबर में बढ़कर 9.24 फीसदी हो गई। वहीं, विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर में थोड़ी राहत देखने को मिली। यह सितंबर के 9.76 फीसदी से घटकर अक्टूबर में 9.54 फीसदी पर आ गई। खाद्य महंगाई के मोर्चे पर अक्टूबर में हल्की राहत मिली है। डब्ल्यूपीआई फूड इंडेक्स के मुताबिक, खाद्य महंगाई दर सितंबर के 8.66 फीसदी से घटकर अक्टूबर में 8.58 फीसदी रह गई। इस सूचकांक में प्राथमिक श्रेणी की खाद्य वस्तुओं के साथ विनिर्मित खाद्य उत्पाद भी शामिल होते हैं। हालांकि, खाद्य महंगाई अभी भी ऊंचे स्तर पर बनी हुई है। खाद्य वस्तुओं, गैर-खाद्य वस्तुओं, धातुओं, रसायनों, कपड़ों और रबर-प्लास्टिक उत्पादों की कीमतों ने भी थोक महंगाई को बढ़ाने में योगदान दिया। सरकार ने अगस्त 2026 के लिए थोक महंगाई के अंतिम आंकड़े को 9.92 फीसदी पर बरकरार रखा है। इस महीने का अंतिम थोक मूल्य सूचकांक 110.8 रहा।

ग्लोबल मार्केट में शुरू हुई आईफोन डूओ 2 की सेल

नई दिल्ली। दिग्गज टेक कंपनी एप्पल के पहले फोल्डेबल स्मार्टफोन की सेल पिछले महीने भारत समेत ग्लोबल मार्केट में शुरू हुई है। इस फोल्डेबल फोन के अगले मॉडल आईफोन डूओ 2 से जुड़ी जानकारियां सामने आने लगी हैं। ब्लूमबर्ग के मार्क गुरमन ने दावा किया है कि एप्पल अपने नेक्स्ट जेनरेशन आईफोन डूओ पर काम कर रहा है। इसे वी 78 इंटरनल कोडनेम के साथ टेस्ट किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, एप्पल के अपकमिंग फोल्डेबल फोन में कंपनी फेस फेस आई और एक्शन बटन भी जोड़ने वाली है। इस फोल्डेबल फोन को अगले साल सितंबर में लॉन्च किया जा सकता है। इस एक्शन बटन को मौजूदा कैमरा कंट्रोल बटन के साथ रिप्लेस किया जा सकता है। मार्क गुरमन ने ये भी दावा किया है कि अपकमिंग फोल्डेबल फोन आईफोन डूओ 2 में कंपनी एक डेडिकेटेड टेलीफोटो कैमरा इस्तेमाल करेगी। इस डिवाइस को मौजूदा आईफोन डूओ के मुकाबले पतला और हल्का बनाया जा सकता है। एप्पल के इंजीनियर्स पहले फोल्डेबल फोन के यूजर्स से मिले फीडबैक के आधार पर ये बदलाव करने वाला है। एप्पल के पहले फोल्डेबल फोन आईफोन डूओ को इस साल सितंबर में लॉन्च किया गया है। इसकी कीमत 2,99,900 रुपये से शुरू होती है। इसके फीचर्स की बात करें तो इसमें 7.6 इंच का सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले दिया गया है। इसके अलावा फोन में 5.4 इंच का कवर डिस्प्ले मिलता है। फोन का डिस्प्ले 120एचज़ेड रिफ्रेश रेट और 3000 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट करता है। एप्पल के पहले फोल्डेबल आईफोन के डिस्प्ले की प्रोटेक्शन के लिए सिरैमिक शील्ड दिया गया है। यह फोल्डेबल फोन भी आईफोन 18 प्रो सीरीज की तरह ही नए ए20 प्रो चिप के साथ आता है, जो 2एनएम टेक्नोलॉजी पर काम करता है। इसे 256जीबी से लेकर 2टीबी स्टोरेज वेरिएंट्स में पेश किया गया है।

एसबीआई म्यूचुअल फंड का डिफेंस एनएफओ खुला

मुंबई। एसबीआई म्यूचुअल फंड ने निवेशकों के लिए देश के तेजी से बढ़ते डिफेंस सेक्टर में निवेश का एक नया अवसर पेश किया है। सेबी बीएसई इं?डिया ?डिफेंस ईटीएफ फंड आफ फंड नाम का यह न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) सब्सक्रिप्शन के लिए खुल चुका है और यह 30 नवंबर तक खुला रहेगा। निवेशक 10 रुपए प्रति यूनिट के इश्यू प्राइस पर न्यूनतम 5,000 रुपए से इस एनएफओ में आवेदन कर सकते हैं। यह स्कीम बीएसई इंडिया डिफेंस इंडेक्स को ट्रैक करती है, जिसमें कोई सक्रिय फंड मैनेजर नहीं होता। घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने की सरकारी नीतियों के कारण इस सेक्टर में निवेशकों की रुचि बढ़ी है।

सोने की चमक लौटेगी, पर लगेगा वक्तः गोल्डमैन सैक्स

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट में सोना अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से काफी नीचे चल रहा है। निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि इसे अपनी खोई हुई चमक फिर से हासिल करने में अभी दो साल का लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। बैंक ने निकट भविष्य में सोने की कीमतों में और गिरावट व उतार-चढ़ाव बढ़ने की आशंका जताई है। इस साल जनवरी में 5,600 प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद से सोने में 30त्न से अधिक की गिरावट आई है। फेडरल रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति, ब्याज रहित संपत्ति होना, डॉलर की मजबूती, बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बूम जैसे कारकों ने इसकी मांग घटाई है। इस साल अब तक इसमें लगभग 11 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है, जो एक दशक से अधिक का सबसे खराब सालाना प्रदर्शन हो सकता है। गोल्डमैन सैक्स के अनुसार, जैसे ही फेडरल रिजर्व दरों में कटौती शुरू करेगा, पश्चिमी देशों में ईटीएफ की मांग बढ़ेगी, जिससे कीमतें वापस पटरी पर आएंगी। केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी भी कीमतों को और अधिक गिरने से रोकेगी और 2027 के अंत तक इसे 4,650 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचा सकती है। बैंक का अनुमान है कि 2028 के अंत तक सोना 5,600 डॉलर प्रति औंस के अपने रिकॉर्ड स्तर को फिर से छू सकता है, खासकर यदि मैक्रो-पॉलिसी हेज के लिए मांग लौटती है।



नई दिल्ली। भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में छत्तीसगढ़ की 16वीं शताब्दी की स्वर्ण अक्षरों वाली श्रीमद्भगवद्गीता की दुर्लभ पांडुलिपि आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां 1735 का प्राचीन ताम्रपत्र और रामायण सहित कई ऐतिहासिक ग्रंथ भी प्रदर्शित किए गए हैं।

सोने-चांदी की कीमतों में सुधार, भारी गिरावट के बाद बढ़े भाव

नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को हल्की तेजी देखने को मिली। इससे पिछले कारोबारी सत्र में दोनों कीमती धातुओं के भाव में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि, मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू बाजार में भी कीमतों में सुधार के संकेत दिखाई दिए। मंगलवार को 24 कैरेट सोने का भाव 1,35,130 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। वहीं 22 कैरेट सोने की कीमत 1,23,869 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। दूसरी ओर, चांदी 1,68,730 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करती दिखाई दी। सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव के पीछे अंतरराष्ट्रीय आर्थिक परिस्थितियां अहम भूमिका निभा रही हैं। अमेरिकी डॉलर में मजबूती और ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड बढ़ने से पिछले कारोबारी सत्र में कीमती धातुओं पर दबाव बना था। इसके अलावा, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक नीति को लेकर निवेशकों की चिंता भी बाजार की दिशा प्रभावित कर रही है। निवेशकों की नजर दिसंबर में फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर टिकी हुई है। इस बीच केविन वॉर्श की टिप्पणियों से भविष्य की मौद्रिक नीति को लेकर संकेत मिलने की उम्मीद की जा रही है। सोमवार 16 नवंबर को घरेलू वायदा बाजार में दोनों धातुओं के भाव में तेज गिरावट दर्ज की गई थी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 1.6 प्रतिशत टूटकर 1,34,539 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं, चांदी के वायदा भाव में 3.2 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई और यह 1,67,863 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, बुधवार 18 नवम्बर 2026
www.rashtriyagarima.com

भोपाल मास्टर प्लान के विरोध में किसानों ने जलाई ड्राफ्ट की कॉपी

66 गांवों की जमीन के भू-उपयोग में बदलाव पर किसानों को आपत्ति

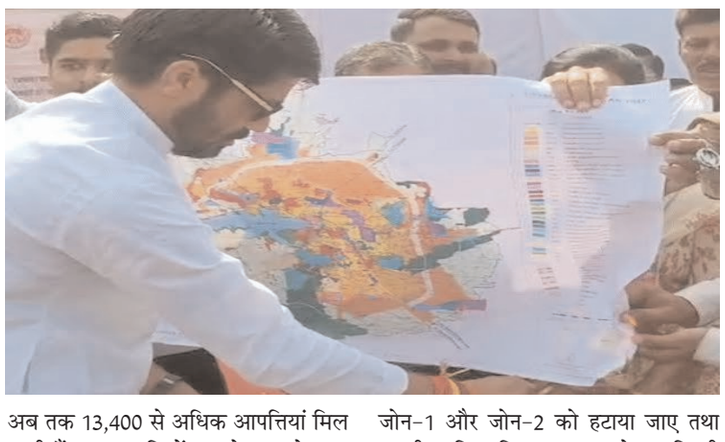

भोपाल। राजधानी भोपाल के मास्टर प्लान-2047 के प्रस्तावित ड्राफ्ट को लेकर किसानों का विरोध तेज हो गया है। मंगलवार को लालघाटी स्थित हुजूर तहसील कार्यालय में आपत्तियों की सुनवाई के दौरान 78 गांवों के किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने मास्टर प्लान के ड्राफ्ट की कॉपी जलाकर अपनी नाराजगी जताई। उनकी प्रमुख मांग है कि कृषि भूमि का लैंडयूज नहीं बदला जाए और उसे खेती के लिए ही सुरक्षित रखा जाए। किसानों का कहना है कि जमीन के भू-उपयोग में बदलाव से उनकी आजीविका प्रभावित होगी। बड़े तालाब और उसके आसपास के करीब 78 गांवों के किसानों ने अपनी मांगों को लेकर लगभग पांच हजार आपत्तियां दर्ज कराई हैं। वहीं, मास्टर प्लान के ड्राफ्ट पर अब तक 13,400 से अधिक आपत्तियां मिल चुकी हैं। इन आपत्तियों पर सोमवार से हुजूर तहसील कार्यालय में सुनवाई शुरू हुई है। पहले दिन आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति देने के प्रस्ताव और अवैध निर्माण का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। किसानों की मांग है कि भोजताल संरक्षण जोन-1 और जोन-2 को हटाया जाए तथा उनकी कृषि भूमि का भू-उपयोग कृषि ही रखा जाए। किसान अनोखी सिंह पटेल के मुताबिक, खेती ग्रामीण परिवारों की आजीविका का प्रमुख साधन है। ऐसे में कृषि भूमि का लैंडयूज बदलने से किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। किसानों ने मांग की है कि मास्टर प्लान में उनकी जमीन को खेती के लिए सुरक्षित रखने का स्पष्ट प्रावधान किया जाए। किसानों का आरोप है कि प्रस्तावित मास्टर प्लान में बड़े तालाब के आसपास के 66 गांवों की कृषि भूमि को रिवरफ्रंट, फॉरेस्ट, ग्रीन बेल्ट और अन्य आरक्षित श्रेणियों में शामिल करने का प्रस्ताव है। इससे किसानों को अपनी जमीन के भविष्य और खेती जारी रखने को लेकर चिंता है। उनका कहना है कि भू-उपयोग में बदलाव से हजारों किसानों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। इसलिए इन प्रस्तावों पर दोबारा विचार किया जाना चाहिए। किसानों का कहना है कि वर्ष 2031 के मास्टर प्लान की प्रक्रिया के दौरान उन्हें आश्वासन दिया गया था कि नए मास्टर प्लान में भू-उपयोग संबंधी बदलाव से पहले पंचायतों की सहमति ली जाएगी। उनका आरोप है कि मौजूदा ड्राफ्ट तैयार करते समय गांवों की राय नहीं ली गई।

यूनानी और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय से बेहतर होंगी स्वास्थ्य सेवाएं

शासकीय यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय में छह दिवसीय सीएमई कार्यक्रम शुरू

भोपाल। हकीम सैयद जियाउल हसन शासकीय यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय, भोपाल में यूनानी मेडिकल ऑफिसर्स के लिए छह दिवसीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग तथा आयुष विभाग, मध्यप्रदेश शासन के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के हकीम मोहम्मद आजम खान सभागार में हुआ। उद्घाटन समारोह में विशेषज्ञों ने यूनानी और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के बीच समन्वय, सहयोग तथा शोध के आदान-प्रदान पर जोर दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), भोपाल के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. नरेंद्र कोटवाल तथा राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान (एनआईयूएम), बेंगलुरु के निदेशक प्रो. सैयद शाह आलम रहे। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. महमूदा बेगम ने छह दिवसीय सीएमई कार्यक्रम की पृष्ठभूमि, उद्देश्य और महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे निरंतर अनुसंधान और नवीन वैज्ञानिक उपलब्धियों से परिचित रहना चिकित्सा अधिकारियों के लिए जरूरी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों के ज्ञान, व्यावहारिक कौशल और चिकित्सकीय दक्षता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होगा। डॉ.एस.एम.अब्बास जैदी ने मुख्य वक्तव्य में सतत चिकित्सा शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा चिकित्सा अधिकारियों को नवीनतम शोध, वैज्ञानिक निष्कर्षों और उपचार की विकसित होती पद्धतियों से लगातार अवगत रहना चाहिए। ऐसे शैक्षणिक आयोजन उनके व्यावहारिक अनुभव को अधिक प्रभावी बनाने के साथ चिकित्सा संस्थानों और विशेषज्ञों के बीच संवाद एवं ज्ञान के आदान-प्रदान को भी बढ़ावा देते हैं। एम्स भोपाल के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. नरेंद्र कोटवाल ने स्वास्थ्य की व्यापक अवधारणा और विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के बीच सहयोग की आवश्यकता पर अपने विचार रखे।

व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए उज्जैन में सिंगल विंडो केंद्र बनेगा : मुख्यमंत्री

सीएम डॉ.यादव ने उज्जैन और इंदौर के बड़े होटल व्यवसाईयों से वन-टू-वन चर्चा की



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आगामी सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर उज्जैन में पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए समुचित आवास व्यवस्था के लिए व्यवसाईयों से होटल,टेन्ट सीटी बनाने का आहवान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यवसाई आगे आकर उज्जैन आगामी सिंहस्थ की आवश्यकताओं को देखते हुए होटल बनाएं। पर्यटन विकास निगम इसके लिए 30 प्रतिशत तक अनुदान देगा। उन्होंने होमस्टे भी बढ़ाने के लिए निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि पंचकोशी मार्ग के 118 किमी लंबे रास्ते पर आने वाले सभी पड़ावों को पर्यटक ग्राम घोषित किया जाएगा और उनका विकास किया जाएगा। उन्होंने उज्जैन जिले के दंगवाड़ा,रुणीजा और गजनी खेड़ी जैसे अन्य ग्रामों को भी ग्रामीण पर्यटन से जोड़ने के कहां। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने आज उज्जैन के निजी होटल में उज्जैन और इंदौर के बड़े होटल व्यवसाईयों से वन-टू-वन परिचर्चा की तथा उन्हें उज्जैन में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने होटल व्यवसाईयों के प्रश्नों का समाधान करते हुए कहा कि अब उज्जैन में होटल व्यवसाय से जुड़ी हुई समस्त एनओसी प्राप्त करने के लिए एक स्पेशल सेल बनाया जाएगा। जिससे सिंगल विंडो जैसा सिस्टम तैयार करके सभी अनुमतियाँ एक ही स्थान पर दी जाएगी। सिंहस्थ निकट है और इस कार्य में किसी भी तरह का विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि सिंहस्थ के लिए अधोसंरचना विकास कार्य पूर्णता की ओर बढ़ रहा है। लेकिन अभी भी 30 से 40 करोड़ श्रद्धालुओं के यहां ठहरने और अन्य प्रबंधन की व्यवस्था पर विचार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस भव्य आयोजन में समाज को भी आगे आकर सहयोग करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि होटल्स के कमरों की संख्या 2016 में जहाँ 570 थी, वहीं यह संख्या 2028 तक 16,500 हो जाएगी। इनकी संख्या भी बढ़ाने की आवश्यकता लग रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंहस्थ में 30 से 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। कार्यक्रम के प्रारंभ में उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी ने कहां की मुख्यमंत्री डॉ.यादव के विजन से ही उज्जैन में चहुँमुखी विकास हो रहा है। श्रद्धालुओं के स्नान के लिए लगभग 30 किलोमीटर के घाट निर्मित हो रहे हैं। सिलार खेड़ी योजना से शिप्रा के जल से सिंहस्थ में स्नान करने की योजना फलीभूत हुई है। उन्होंने कहा 2027 के बाद लोगों को एक नया उज्जैन दिखाई पड़ेगा। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद उमेश नाथ जी महाराज, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी,महापौर मुकेश टटवाल,मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ठाकुर,सिंहस्थ मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष जगदीश अग्रवाल,संजय अग्रवाल, राजेश धाकड़, रवि वर्मा,अमित श्रीवास्तव, विजय खंडेलवाल मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव की अध्यक्षता में गांधी सागर में कैबिनेट बैठक आज

गांधी सागर में क्रूज से आज मीटिंग स्थल पहुंचेंगे मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव



भोपाल। मध्य प्रदेश की मोहन सरकार 18 नवंबर को मंदसौर जिले के गांधी सागर में कैबिनेट की विशेष बैठक आयोजित करने जा रही है। इस बैठक में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव उद्योग आधारित कई नीतियों को मंजूरी दे सकते हैं। इस बार की डेस्टिनेशन कैबिनेट की खास बात यह होगी कि मुख्यमंत्री क्रूज के जरिए बैठक स्थल तक पहुंचेंगे। बैठक को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। दरअसल, प्रदेश सरकार ने डेस्टिनेशन कैबिनेट की पहल शुरू की है। इसके तहत प्रदेश की ऐतिहासिक,धार्मिक और प्राकृतिक पहचान वाले प्रमुख स्थलों पर कैबिनेट की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। सरकार का उद्देश्य इन स्थानों को नई पहचान दिलाने के साथ पर्यटन और विकास की संभावनाओं को बढ़ावा देना है। इसी कड़ी में इस बार मंदसौर जिले के गांधी सागर डैम को बैठक के लिए चुना गया है। चंबल नदी पर बना गांधी सागर बांध एशिया के प्रमुख मानव निर्मित बांधों में शामिल है। यहां जल विद्युत उत्पादन के साथ आसपास स्थित गांधी सागर अभयारण्य भी पर्यटन का प्रमुख आकर्षण है। बांध के बैकवाटर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए टेंट सिटी विकसित की गई है। यहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त गांधी सागर फॉरेस्ट रिट्रीट में 18 नवंबर को मोहन कैबिनेट की बैठक होगी। कैबिनेट बैठक को खास बनाने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। मुख्यमंत्री के आगमन के लिए हिंगलाज रिसॉर्ट में हेलीपैड तैयार किया गया है। यह रिसॉर्ट गांधी सागर डैम से करीब तीन से चार किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मुख्यमंत्री यहां पहुंचने के बाद क्रूज के जरिए गांधी सागर फॉरेस्ट रिट्रीट जाएंगे। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच चुकी है। गांधी सागर फॉरेस्ट रिट्रीट में बैठक के लिए विशेष डोम तैयार किए गए हैं। इनमें से एक हिस्से को पारदर्शी रखा गया है, ताकि बैठक के दौरान गांधी सागर बांध और उसका विशाल जलक्षेत्र दिखाई दे सके। बैठक स्थल के भीतर गांधी सागर की प्राकृतिक और वन्यजीव पहचान को दर्शाने वाली तस्वीरें लगाई गई हैं। इनमें मगरमच्छ, चीता, जलक्षेत्र और हिंगलाज माता मंदिर के चित्र शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में शामिल होने वाले मंत्रियों के ठहरने की व्यवस्था हिंगलाज रिसॉर्ट में की गई है। भोपाल सहित अन्य स्थानों से मंत्री अपने वाहनों से रिसॉर्ट पहुंचेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री के साथ क्रूज में सवार होकर बैठक स्थल तक जाएंगे। बैठक समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री और मंत्री बस से वापस रिसॉर्ट पहुंचेंगे। इससे पहले भोपाल के जगदीशपुर स्थित ऐतिहासिक महल में भी डेस्टिनेशन कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई थी। उस दौरान मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्री इलेक्ट्रिक बस से बैठक स्थल पहुंचे थे। गांधी सागर बांध और अभयारण्य को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भी सरकार काम कर रही है।

मध्यप्रदेश में चलेगा 'बाल विवाह मुक्त भारत' जागरूकता अभियान

अभियान के दौरान बाल विवाह की सूचना मिलते ही होगी त्वरित कार्रवाई

भोपाल। मध्य प्रदेश को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए 21 अक्टूबर से 21 दिसंबर 2026 तक प्रदेशव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने समाज के सभी वर्गों से इस मुहिम में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। 27 नवंबर को प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाएं होंगी,जबकि बाल विवाह की सूचना मिलने पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए सरकार के प्रयासों के साथ समाज की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। बाल विवाह मुक्त मध्यप्रदेश के संकल्प को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के लिए प्रदेश में व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। केन्द्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार 21 अक्टूबर से 21 दिसंबर 2026 तक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान बाल विवाह की रोकथाम के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ ही बाल विवाह की सूचना मिलने पर तत्काल वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश के सभी जिलों को अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये विशेष रूप से विवाह के शुभ मुहूर्तों और सामूहिक विवाह आयोजनों के दौरान बाल विवाह की आशंका को देखते हुए निगरानी बढ़ाने, समुदाय को जागरूक करने और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। जनसंपर्क अधिकारी बिन्दु सुनील ने जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए 27 नवंबर 2026 को विशेष जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दिन 'बाल विवाह उन्मूलन अंतर्राष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की जायेंगी। ग्राम सभाओं में ग्रामीण जनप्रतिनिधियों, महिलाओं, युवाओं और सामाजिक संगठनों की सहभागिता से बाल विवाह नहीं करने और न होने देने की सामूहिक शपथ दिलाई जाएगी। गांवों में बाल विवाह के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों और बच्चों के अधिकारों की जानकारी दी जाएगी। शहरों में भी वार्ड स्तरीय बैठकों और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता का संदेश पहुंचाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा 27 नवंबर 2024 को 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान प्रारंभ किया गया था।

मुख्यमंत्री ने स्व.अशोक सिंघल की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रद्धेय अशोक सिंघल की पुण्यतिथि पर पुण्य स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने एक्स पर कहा कि श्रद्धेय सिंघल जी ने वैभवशाली सांस्कृतिक विरासत की पुनर्स्थापना और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय की पुण्यतिथि पर पुण्य स्मरण कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक्स पर कहा कि लाला लाजपत राय ने स्वावलंबन से स्वराज्य का संकल्प जागृत कर अमेरिका तक इंडियन होम रूल लीग ऑफ अमेरिका की चिंगारी सुलगाई। राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने प्रखर राष्ट्रवादी और शिवसेना के संस्थापक श्रद्धेय बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर पुण्य स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

राज्यपाल ने क्रांतिनायक संत गोविन्द गुरु बंजारा को किया नमन

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने गरिमामय कार्यक्रम में मानगढ़ की पवित्र भूमि के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। क्रांतिनायक गोविंद गुरु बंजारा को उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। मंगलवार को लोकभवन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में लोकभवन के अधिकारी कर्मचारियों ने स्वतंत्रता सेनानी गोविन्द गुरु और मानगढ़ की पवित्र भूमि के अमर बलिदानी जनजातीय जनसमूह को नमन किया। श्रद्धा सुमन अर्पित किए। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने मानगढ़ की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि आज ही के दिन 17 नवंबर 1913 को मानगढ़ की पावन भूमि पर गोविन्द गुरु के अनुयायी 1500 से अधिक जनजातीय बहनों-भाईयों द्वारा अपने प्राणों की आहुति देकर भारतीय स्वतंत्रता और स्वाभिमान की अमर गाथा लिखी गई थी। यह बलिदान भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। उन्होंने कहा कि गोविन्द गुरु के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। युवा पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर शिक्षा, सामाजिक समरसता, नशामुक्ति और राष्ट्र सेवा का संकल्प लेना चाहिए। उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राज्यपाल श्री पटेल ने गुजरात के मंत्री के रूप में मानगढ़ के गुजरात वाले हिस्से के प्रति अपनी सेवा को याद किया। बताया कि मानगढ़ की पवित्र भूमि पर बलिदानियों की स्मृति में 1500 से अधिक पौधों का रोपण कराया था।

नगर निगम की कार्रवाई,गंदगी फैलाने वालों पर लगाया जुर्माना

भोपाल। भोपाल शहर के बाजारों को अतिक्रमण मुक्त, साफ-स्वच्छ और व्यवस्थित रखने के लिए नगर निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में निगम उपायुक्त चंचलेश गिरहारे ने मंगलवार को 10 नंबर मार्केट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों से चर्चा कर दुकानों का सामान निर्धारित सीमा में रखने, कॉरिडोर खाली रखने और सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी नहीं फैलाने की समझाइश दी। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने दुकानदारों को निर्देश दिए कि वे दुकानों के सामने और कॉरिडोर में सामान न रखें तथा निर्धारित सीमा के भीतर ही व्यवसाय संचालित करें। सभी दुकानों पर डस्टबिन रखना अनिवार्य करने और कचरा सार्वजनिक स्थलों पर नहीं फेंकने की भी हिदायत दी। ट्रांसफार्मर के पास दुकानें संचालित करने वाले व्यापारियों को सुरक्षा की दृष्टि से निर्धारित सीमा में ही सामान रखने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने निगम अधिकारियों को बाजार एवं आसपास के क्षेत्रों से अतिक्रमण सख्ती से हटाने, सड़कों और मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने तथा साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन की व्यवस्था बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध स्पॉट फाइन की कार्रवाई प्रभावी ढंग से करने को भी कहा।



राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने आज लोकभवन में मानगढ़ की पवित्र भूमि के शहीदों की स्मृति में श्री गोविंद गुरु के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

भारतीय मजदूर संघ ने उप मुख्यमंत्री शुक्ल के समक्ष रखीं कई मांगें

मांगे पूरी होने पर संघ पदाधिकारियों ने व्यक्त किया उप मुख्यमंत्री का आभार



भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मंगलवार 17 नवंबर को भारतीय मजदूर संघ के साथ मंत्रालय में अहम बैठक की। बैठक में संघ के पदाधिकारियों ने उनके सामने कई मांगें रखीं। इस पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि भारतीय मजदूर संघ की मांगों पर गौर किया जाए और नियमानुसार इन मांगों का यथा संभव समाधान किया जाए। बैठक के बाद संघ के पदाधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल का आभार भी व्यक्त किया। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्रीमती रश्मि अरुण शमी, आयुक्त धनराजू एस, मिशन संचालक श्रीमती संस्कृति जैन सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। भारतीय मजदूर संघ ने मांग की है कि फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा जारी गजट को शासन लागू करे, फार्मासिस्ट का ग्रेड-पे 2800 किया जाए। उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर में फार्मासिस्ट के पद स्वीकृत कर भर्ती की जाये। फार्मासिस्ट की भर्ती में गणित विषय के अभ्यर्थियों को भी क्वालिफिकेशन में जोड़ने संबंधी नियमों में संशोधन किया जाये। स्वशासी संस्थाओं के कर्मचारियों के एंप्लॉयी कोड जनरेट किए जायें और ग्रेच्युटी का प्रावधान किया जाये। संघ ने कहा कि सरकार ने कर्मचारियों को भी संविदा नीति का लाभ दिया जाए। भारतीय मजदूर संघ ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से यह मांग भी की है कि एनएचएम के कर्मचारियों का नियमितीकरण किया जाए। शासन की घोषणा अनुरूप जिन संविदा कर्मचारियों को काम करते-करते दस वर्ष हो गए हों, उनका समिति बनाकर नियमितीकरण किया जाए। संविदा कर्मचारियों को डीए और वेतनमान का लाभ दिया जाए। संविदा कर्मियों को एनपीएस और स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जाए। कर्मचारियों की ग्रुप बीमा पॉलिसी लाई जाए। भारतीय मजदूर संघ ने कई अन्य मांगें भी कीं। उन्होंने कहा कि संविदा एवं दैनिक वेतन भोगियों को भी ग्रुप इंश्योरेंस का लाभ दिया जाये।

प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य को लेकर राज्य सरकार है प्रतिबद्ध : शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल प्रदेशवासियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। यही वजह है कि राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार बदलाव हो रहा है। इसी कड़ी में उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा फैसला किया है। देश में पहली बार मंगलवार 17 नवम्बर को उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल की उपस्थिति में सिकल सेल रोग की रोकथाम, प्रसवपूर्व निदान एवं उपचार के लिए बीएमएचआरसी एवं रीवा के श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के बीच एमओयू हुआ है। सिकल सेल रोग एवं अन्य हीमोग्लोबिनोपैथी की रोकथाम, समय पर पहचान, प्रसवपूर्व निदान, उपचार एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आईसीएमआर-भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) एवं श्याम शाह मेडिकल कॉलेज, रीवा स्थित बिरसा मुंडा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर प्रीनेटल डायग्नोसिस ऑफ हीमोग्लोबिनोपैथीज के मध्य आपसी सहयोग के लिये एमओयू उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के समक्ष किया गया।